रविवार, 10 नवम्बर 2024

मौसम

तापमान 32 – 22
आर्द्रता 55%
सूर्योदय: 5:46 सूर्यास्त: 16:55

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, कार्तिक शुक्लपक्ष नवमी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 4.00 रुपये

मंत्रिमंडल जल्द ही एमएसएमई के लिए 100 करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना पर फैसला करेगा: सीतारमण–पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : किसी का हजार काम कर दीजिये फिर एक बार मना करके देखिये।

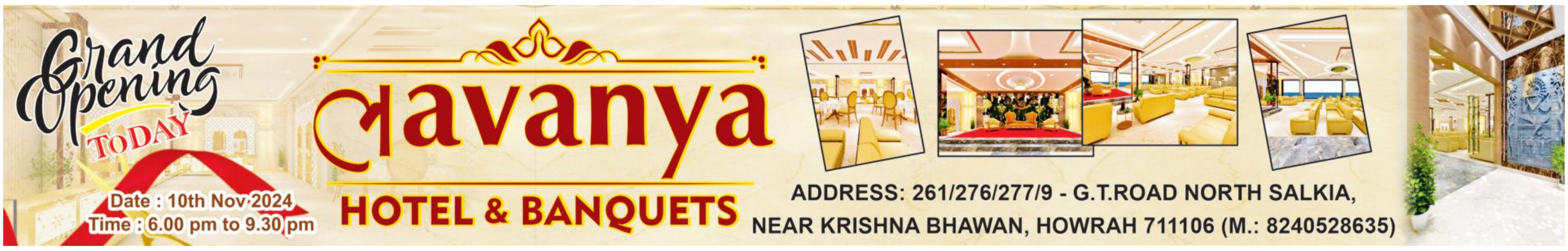

कांग्रेस को ओबीसी से नफरत : मोदी

इसलिए देश का नेतृत्व ओबीसी व्यक्ति के हाथों में स्वीकार नहीं करती

नांदेड़ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दावा किया कि कांग्रेस ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) से नफरत करती है, क्योंकि वह इस तथ्य को स्वीकार नहीं कर सकती कि पिछड़े वर्ग का एक व्यक्ति देश के शीर्ष पर है। उन्होंने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव के लिए सत्तारूढ़ 'महायुति' उम्मीदवारों का समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के बीच विभाजन कांग्रेस की राजनीति के अनुकूल है, लेकिन उनकी एकता के कारण वह अपना समर्थन आधार खो रही है। उन्होंने कहा, ''अगर दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग विभाजित हो जाते हैं तो यह कांग्रेस की राजनीति के अनुकूल है। इसकी योजना आपको विभिन्न समूहों और समुदायों में विभाजित करने की है।'' मोदी ने कहा, ''कांग्रेस ओबीसी से नफरत करती है, क्योंकि वह इस तथ्य को पचा नहीं पाती कि एक ओबीसी समुदाय का कोई व्यक्ति दस साल से प्रधानमंत्री है और सबको साथ लेकर काम कर रहा है।'' उन्होंने आरोप

लगाया, ''वे (कांग्रेस) ओबीसी समुदायों को छोटी जातियों में बांटना चाहते हैं और उनकी एकता की ताकत छीनना चाहते हैं। अगर ऐसा हुआ तो कांग्रेस आरक्षण छीन लेगी।'' उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए दावा किया कि जवाहरलाल नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक नेताओं ने लोगों को जाति के आधार पर बांटने और उन्हें आरक्षण से वंचित करने का प्रयास किया। मोदी ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के 'महायुति' गठबंधन के पक्ष में लहर है और इसका लक्ष्य 'विकसित भारत' है। उन्होंने कांग्रेस के वसंत चव्हाण से भाजपा के प्रताप चिखलीकर की हार का संदर्भ देते हुए कहा, ''इसलिए भाजपा और उसके सहयोगियों को लोग बार-बार चुनते हैं। लोकसभा चुनाव में नांदेड़ ने हमें वोट नहीं दिया। मुझे उम्मीद है कि अब आप मुझे आशीर्वाद देंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि हरियाणा चुनाव में भाजपा ने सबसे अधिक सीट जीतकर इतिहास रच दिया है और महाराष्ट्र की जनता भी इतिहास दो-हराने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''पिछले दो महीनों में मैं महाराष्ट्र में जहां भी गया, मुझे यही महसूस हुआ कि लोकसभा चुनाव में जो कुछ नहीं हो सका, उसे विधानसभा चुनाव में ठीक कर लिया जाएगा।'' मोदी ने कहा, ''आज, हर किसी की जुबान पर एक ही नारा है, भाजपा-महायुति आहे, तार गति आहे। महाराष्ट्राची प्रगति आहे (केवल भाजपा-महायुति ही महाराष्ट्र की तीव्र प्रगति सुनिश्चित करेगी।'' लोकसभा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों ने महाराष्ट्र में 48 में से 17 सीट जीतीं। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि मराठवाड़ा में किसानों की परेशानियों की मूल वजह कांग्रेस थी, लेकिन भाजपा और उसके सहयोगियों के शासन में जल-संकट और सूखे की समस्या को कम करने के लिए कई कदम उठाए गए। उन्होंने दावा किया कि मराठवाड़ा जल ग्रिड योजना पूर्ववर्ती भाजपा नीत सरकार द्वारा शुरू की गई थी लेकिन महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार ने इसे बंद कर दिया और महायुति सरकार ने इसे पुनर्जीवित किया। मोदी ने कहा कि ''किसानों का हित सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है और उन्हें कई कल्याणकारी योजनाओं और वित्तीय सहायता के कारण लाभ मिल रहा है। पिछले दो वर्षों में अकेले मराठवाड़ा में 80,000 करोड़ रुपये का निवेश आया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे ने मराठवाड़ा को नयी पहचान दी है। रेल कोच फैक्टरी, लॉजिस्टिक्स पार्क, शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे ने रोजगार के नए रास्ते खोले हैं।'' मोदी ने कहा कि महिला सशक्तीकरण भी 'महायुति' और केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना और शौचालय, पानी और बिजली कनेक्शन तथा एलपीजी जैसी महिला-केंद्रित विकास योजनाओं का भी जिक्र किया।

आरजीकर दुष्कर्म-हत्या मामला : जूनियर डॉक्टरों ने निकाली रैली

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या की घटना के तीन महीने पूरे होने पर शनिवार को कनिष्ठ चिकित्सकों ने एक रैली निकाली और कहा कि उनका आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक उनकी मांगें नहीं पूरी हो जातीं। चिकित्सकों ने नौ अगस्त को आरजीकर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की स्नातकोत्तर प्रशिक्षु के साथ बलात्कार और हत्या के बाद से तीन महीनों की घटनाओं का वर्णन करते हुए एक 'जन आरोपपत्र' भी

जारी किया। कनिष्ठ चिकित्सकों ने शहर के मध्य स्थित कॉलेज स्क्वायर से एस्प्लेनेड तक रैली निकाली जिसमें आम लोगों ने भी भाग लिया। 'पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट' के बैनर तले कनिष्ठ चिकित्सकों ने शहर के सभी मेडिकल कॉलेजों में मंच बनाए, जिन पर नौ अगस्त को महिला चिकित्सक की हत्या की घटना के बाद से जारी विरोध प्रदर्शनों के फोटो, बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए गए। फ्रंट के नेतृत्व में जारी विरोध प्रदर्शन में शामिल चिकित्सक देबाशीष हलदर ने कहा कि जब तक न्याय की हमारी मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक हम सड़कों से नहीं हटेंगे। बलात्कार और हत्या के इस मामले की जांच में लंबा समय लगने का दावा करते हुए उन्होंने मांग की कि अपराध में शामिल पाए गए लोगों को जल्द न्याय के कठघरे में लाया जाए।

एसटीएफ ने कोलकाता में भारी मात्रा में हथियार किए जब्त, एक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस की एसटीएफ ने कोलकाता शहर में शनिवार की रात को छापेमारी चलाते हुए कई हथियार जब्त किए। पुलिस ने इस घटना में मोहम्मद इस्माइल नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर एसटीएफ ने शनिवार की रात को सुरेंद्रनाथ कॉलेज के सामने वाले इलाके से 90 राउंड कारतूस के साथ 5 आग्नेयास्त्र बरामद किए गए। प्राथमिक जांच में पता चला है कि झारखंड का रहने वाला इस्माइल सियालदह के राजाबाजार में रहता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी इस्माइल दरअसल एक खरीदार है। यह हथियार बिहार के मुंगेर से कोलकाता लाया गया था। पहले हुए समझौते के मुताबिक सातिकखाना रोड पर इस्माइल से हथियारों का सौदा होता था। गुप्त सूत्रों से जानकारी मिलने के बाद कोलकाता पुलिस की एसटीएफ ने ऑपरेशन चलाया। बताया जा रहा है कि हथियार डीलर फरार है। इस बीच, आरोपी इस्माइल के पास से बरामद हथियारों में 2.7 मिमी पिस्तौल, 3 सिंगल शटर और 90 राउंड कारतूस हैं। पुलिस का मानना है कि हथियार मुंगेर के हैं। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस इस्माइल से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह में और कौन शामिल है।

आज रात दार्जिलिंग दौरे पर रवाना होंगी मुख्यमंत्री, जीटीए समेत कई विकास बोर्डों के साथ बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 12 नवम्बर को गोरखा टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) के चेयरमैन तथा जीटीए डेवलपमेंट बोर्ड के सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगी। बैठक में विकास समेत अन्य मुद्दों पर गहन और निर्णाय विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री सचिवालय सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 11 नवम्बर को उत्तर बंगाल यात्रा पर रवाना होंगी और बागडोगरा हवाई अड्डे से दार्जिलिंग जाएंगी। रात में वह यहीं पर रूकेंगी। दूसरे दिन 12 नवम्बर को जीटीए की बैठक में शामिल होंगी। यह बैठक लंबी चल सकती है। 13 नवम्बर को मुख्यमंत्री दार्जिलिंग चौरास्ता पर सरस मेला का उद्घाटन करेंगी। इस दो दिन के कार्यक्रम में वह अन्य बैठकें भी कर सकती हैं। 14 नवम्बर को वह सिलीगुड़ी आयेंगी और रात वहीं बिताएंगी। 15 नवम्बर को वह वापस लौटेंगी तथा इसी दिन कोलकाता के राजारहाट न्यूटाउन स्थित आदिवासी भवन में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह में शामिल होंगी। यह कार्यक्रम राज्य के सभी जिलों में आयोजित किया जायेगा और एक हफ्ते तक चलेगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दार्जिलिंग यात्रा को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 10 नवम्बर, रविवार, 2024, विक्रम सम्वत् 2081, कार्तिक शुक्लपक्ष नवमी, 20:56 तक, नक्षत्र : धनिष्ठा, 10:48 तक, योग : ध्रुव, 25:34 तक, सूर्योदय: 5:46, सूर्यास्त: 16:55 चन्द्रोदय : 13:00, चन्द्रास्त: 24:42, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : तुला, चन्द्र राशि : कुम्भ, राहू काल : 15:28 से 16:50

साप्ताहिक : राशिफल
10-11-24 से 16-11-24

मेष : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ : मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए हुए है। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। सप्ताह की शुरुआत से ही आपके प्लान पूरे होते हुए नजर आएंगे। इस दौरान छोटी-मोटी दिक्कतों के बावजूद चीजें आपके पक्ष में रहेंगी। कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों ही आप पर मेहरबान रहेंगे। सप्ताह के पूर्वार्ध में किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात होगी। जिसकी मदद से भविष्य में लाभ की योजनाओं से जुड़ने और मान-सम्मान मिलने का अवसर बनेंगे।

वृष : ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो : वृषभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह खर्चीला रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में अचानक से आपके सिर पर कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस सप्ताह संतान के भविष्य को लेकर आपका मन जरा ज्यादा चिंतित रह सकता है। इस सप्ताह आपकी तेजी से बढ़ती हुई महत्वाकांक्षा के कारण आपकी आवश्यकताएं भी बढ़ेंगी। आप इस सप्ताह कुछ चीजों पर बड़ी धनराशि खर्च कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में अचानक से करियर-कारोबार के सिलसिले में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है। यात्रा के दौरान अपने सामान और सेहत का विशेष ख्याल रखें।

मिथुन : का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह : मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह नए अवसरों को लेकर आया है। यदि आप अपने कार्य को बेहतर तरीके से समय पर पूरा करने का प्रयास करते हैं तो आपको अपेक्षा से कहीं अधिक सफलता और लाभ की प्राप्ति संभव है। करियर-कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपकी दैनिक आय में वृद्धि होगी और कारोबार तेजी से आगे बढ़ता हुआ नजर आएगा। कारोबार के विस्तार की योजनाएं साकार रूप लेती हुई नजर आएंगी।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो : कर्क राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने किसी भी कार्य में लापरवाही बरतने से बचना चाहिए। इस सप्ताह वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं और जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय न लें। व्यवसाय की दृष्टि से देखें तो यह सप्ताह हानि एवं लाभ दोनों का योग लिए हुए है। कहने का तात्पर्य यह है कि इस सप्ताह कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन उसके मुकाबले खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। सप्ताह के मध्य में आपको बेवजह की चीजों पर चाहे-अनचाहे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

सिंह : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे : सिंह राशि के जातकों के लिए सप्ताह की शुरुआत थोड़ी आपाधापी भरी रह सकती है। इस दौरान करियर-कारोबार के सिलसिले में आपको जरा ज्यादा ही परिश्रम और प्रयास करने पड़ सकते हैं। इस दौरान आपको कारोबार में आर्थिक लाभ की प्राप्ति के लिए आश्वासन तो मिलेगा लेकिन वह सप्ताहांत ही प्राप्त हो पाएगा। यदि आप किसी नये कारोबार की शुरुआत करने की योजना बना रहे हैं तो उसमें आ रही बाधाओं को दूर करने में आपके इष्टमित्र और आत्मीयजन काफी मददगार साबित होंगे।

कन्या : ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो : कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। इस सप्ताह आपका भाग्य चमकता हुआ नजर आएगा। आप घर और बाहर दोनों जगह अपना प्रभुत्व जमाते हुए नजर आएंगे और खास बात ये कि लोग आपकी बातों को पूरी तरह से मानेंगे। नौकरीपेशा जातक इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी पहल करते हुए अपने सीनियर का दिल जीतने में कामयाब हो सकते हैं। काम को तेजी से निबटाते हुए समय पर पूरा करने के कारण आफिस में जहां आपकी धाक जमेगी, वहीं आप कुछ लोगों की आंख में किरकिरी बनेंगे।

तुला : रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते : तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ और मनचाही सफलता दिलाने वाला साबित होगा। यदि आप लंबे समय से किसी प्रोजेक्ट अथवा कार्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत थे तो इस सप्ताह उसमें आ रही अड़चनें दूर हो जाएंगी और वह इष्टमित्रों एवं शुभचिंतकों की मदद से अंततः समय पर पूरा भी हो जाएगा। करियर-कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह सफल एवं लाभप्रद रहने वाला है। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो इस सप्ताह मनचाहे स्थान पर तबादले या मनचाहे पद पाने की कामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में जहां अपने कार्यों को पूरा करने के लिए तमाम चीजों से समझौता करना पड़ सकता है वहीं इस दौरान आपके सिर पर आए कुछ बड़े खर्च आर्थिक असंतुलन का कारण बनेंगे। इस सप्ताह नौकरीपेशा जातक को अपने काम में किसी भी प्रकार की ला-परवाही या आलस्य करने से बचना चाहिए अन्यथा वे अपने बॉस के गुस्से का शिकार हो सकते हैं।

धनु : ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे : धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सफलता के नये द्वार खोलने वाला साबित होगा। आपको लंबे समय से जिस अवसर की तलाश थी, इस सप्ताह किसी इष्टमित्र अथवा प्रभावी व्यक्ति की मदद से मिल जाएगा। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे थे तो आपको इस सप्ताह मनचाहा रोजगार मिल सकता है। वहीं पहले से कार्यरत लोगों को अधिकारी वर्ग की तरफ से प्रोन्नति का पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

मकर : भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी : मकर राशि के जातको को इस सप्ताह आलस्य और अभिमान से बचने की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी। इस सप्ताह यदि आप किसी कार्य को आलस्य अथवा अभिमान के कारण छोड़ देने का निर्णय करते हैं तो आपको बाद में उसके लिए पछताना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में मकर राशि के जातकों को भूमि-भवन अथवा पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरा जमीन-जायदाद से जुड़े मामले का समाधान निकालने के लिए आपको कोर्ट-कचहरी के चक्कर तक लगाने पड़ सकते हैं।

कुम्भ : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा : कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। सप्ताह की शुरुआत में छोटे-छोटे कार्यों को भी पूरा करने में अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। इस दौरान आपके सामने करियर और कारोबार को लेकर तमाम तरह की समस्याएं सामने आ सकती हैं, लेकिन आप धैर्य और विवेक के साथ उसका समाधान खोजने में अंततः कामयाब हो जाएंगे। इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहेगी।

मीन : दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची : मीन राशि के जातकों के लिए सप्ताह की शुरुआत भले ही आपाधापी भरी रहे लेकिन उत्तरार्ध तक चीजें आपके नियंत्रण में आती हुई नजर आएंगी। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है। इस दौरान आपको अपने कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से खूब सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी क्योंकि वे आपके काम में बाधा डालने के लिए षडयंत्र रच सकते हैं।

शांति और विकास के लिए विज्ञान के साथ अध्यात्म जुड़े

ललित गर्ग

शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस हर साल 10 नवंबर को मनाया जाता है। विश्व विज्ञान दिवस का प्रस्ताव पहली बार 1999 में हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित विश्व विज्ञान सम्मेलन के दौरान रखा गया था। यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में इस बात पर चर्चा की गई कि विज्ञान समाज पर किस प्रकार प्रभाव डालता है और समाज के लिये अधिक उपयोगी हो सकता है। इसी उद्देश्य से विज्ञान की अहमियत को सामने लाना और विज्ञान से जुड़े मुद्दों पर आम लोगों की बहस को बढ़ावा देकर इस दिन के ज़रिए, विज्ञान को समाज एवं व्यक्ति से और ज्यादा करीबी से जोड़ा गया है। यह दिन हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व और उसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए युग की समस्याओं एवं चुनौतियों का समाधान करता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि कैसे विज्ञान जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और प्राकृतिक आपदाओं जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने में मदद करता है। यह युवाओं को विज्ञान का पता लगाने और दुनिया कैसे काम करती है, इस बारे में जिज्ञासा विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। जागरूकता बढ़ाकर, विश्व विज्ञान दिवस लोगों को समाज पर वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के सकारात्मक प्रभाव की सराहना करने के लिए एक साथ लाता है। लेकिन अब इस दिवस के साथ अध्यात्म को भी जोड़ा जाना चाहिए।

तेजी से बदलती दुनिया में कई महत्वपूर्ण कारणों से हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान महत्वपूर्ण है और समाज पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ता है। विज्ञान दिवस उन वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की कड़ी मेहनत को मान्यता देता है जिन्होंने ज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में मदद की है। यह दिन वैज्ञानिकों, शिक्षकों और जनता के बीच टीमवर्क को बढ़ावा देता है ताकि वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए विश्वास और समर्थन का निर्माण किया जा सके। विज्ञान दिवस मनाकर, हमारा उद्देश्य सभी में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और प्रेम-संबंध को प्रेरित करना है, जिससे एक अधिक आदर्श, संतुलित एवं शांतिपूर्ण समाज का निर्माण हो सके। वैज्ञानिक खोजें दुनिया भर में शांति और विकास में सहयोग करते हुए लोगों को नई वैज्ञानिक प्रगति के बारे में बताती है। गरीबी, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य चुनौतियों जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने के लिए विज्ञान के ज़िम्मेदाराना उपयोग को प्रोत्साहित भी करती है। वैज्ञानिक इस उल्लेखनीय नाजुक ग्रह एवं सृष्टि के बारे में हमारी समझ को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसे हम अपना घर कहते हैं और हमारे समाजों को अधिक टिकाऊ बनाने में भूमिका निभाते हैं।

शांतिपूर्ण और स्थायी समाज के लिए विज्ञान की भूमिका पर जन जागरूकता को मजबूत करते हुए यह दिवस विभिन्न देशों के बीच साझा विज्ञान के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देता है। समाज के लाभ के लिए विज्ञान के उपयोग के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करना तथा विज्ञान के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करना और वैज्ञानिक प्रयास के लिए समर्थन जुटाना भी इस दिन का ध्येय है।. आज जबकि जलवायु परिवर्तन अरबों लोगों और ग्रह के जीवन के लिए एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है, इसके लिये जलवायु परिवर्तन को सकारात्मक मोड़ देने के लिए विश्व समुदायों का निर्माण करने की अपेक्षा है। यह दिवस हमारे दैनिक जीवन पर विज्ञान के प्रभाव का प्रतीक है। यह हमें वैज्ञानिक प्रगति को आकर्षित करने और हमारे ग्रह के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र की अधिक गहन समझ को प्रोत्साहित करने का आग्रह करता है। विज्ञान के ज़रिए वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद करना और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए युवाओं को प्रेरित करना भी इस दिवस का मकसद रहा है।

यूनेस्को द्वारा 2001 में इसकी घोषणा के बाद से, शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस ने दुनिया भर में विज्ञान के लिए कई ठोस परियोजनाएं, कार्यक्रम और वित्तपोषण उत्पन्न

शांति और विकास के लिये विश्व विज्ञान दिवस-10 नवम्बर, 2024

किया है। इस दिवस ने संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले वैज्ञानिकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में भी मदद की है, इसका एक उदाहरण यूनेस्को द्वारा समर्थित इजरायल-फिलिस्तीनी विज्ञान संगठन का निर्माण है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2024-2033 की अवधि को सतत विकास के लिए विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में घोषित किया है। यह एक स्थायी भविष्य के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का दोहन करने के वैश्विक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। यूनेस्को के नेतृत्व में, इस दशक का उद्देश्य बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान, सामाजिक और मानव विज्ञान, साथ ही अंतःविषय और उभरते क्षेत्रों सहित वैज्ञानिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को संगठित करना है, ताकि समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण में परिवर्तनकारी बदलाव में योगदान दिया जा सके। वैज्ञानिक साक्षरता को बढ़ावा देने और सरकारों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करके, दशक सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने और सभी के लिए सुरक्षित, अधिक समृद्ध, शांतिपूर्ण भविष्य की दिशा में काम करने में विज्ञान की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास करता है। निश्चित ही विज्ञान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार किया है, रोज़गार के अवसर बढ़ाए हैं, असंख्य लोगों की जान बचाई है, कई उद्योगों में अहम भूमिका निभाई है, ऊर्जा और पानी तक पहुंचने में मदद की है, बीमारियों को ठीक करने में मदद की है, चिकित्सा-क्रांति का माध्यम बनकर कर असाध्य बीमारियों को नियंत्रित किया है।

विकास, विज्ञान एवं उपलब्धियों पर सवार आज की दुनिया का एक बहुत बड़ा वर्ग आज भी गरीबी, अभाव, भूखमरी में घुटा-घुटा जीवन जीता है, जो परिस्थितियों के साथ संघर्ष नहीं, समझौता करवाता है। हर वक्त अपने आपको असुरक्षित-सा महसूस करता है। जिसमें आत्मविश्वास का अभाव अंधेरे में जीना सिखा देता है। विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी जटिल स्थितियों में विज्ञान दिवस ने सभी को भोजन देने में मदद की है, शांति एवं सह-जीवन के निर्माण में मदद की है।

विज्ञान दिवस को अधिक उपयोगी एवं प्रासंगिक बनाने की अपेक्षा है। अब तक विज्ञान अध्यात्म से अछूता रहा है, जिसके कारण विज्ञान के वास्तविक परिणाम सामने नहीं आ पाये हैं। जरूरत है अध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वित प्रयत्नों की, आध्यात्मिक-वैज्ञानिक व्यक्तित्वों के निर्माण की। नये सत्यों को खोजने की। न्यूटन से कहा गया- 'आपने बहुत से नियम खोजे हैं।' उन्होंने बहुत मार्मिक उत्तर दिया- 'तुम लोग कुछ भी कहो। लेकिन मेरी स्थिति तो समुद्र के तट पर खड़े उस बालक जैसी है, जो समुद्र के किनारे पड़ी सीपियों को बटोर रहा है। किन्तु विशाल समुद्र के गर्भ में छिपे रत्न उससे बहुत दूर हैं। विज्ञान की स्थिति भी अध्यात्म के बिना लगभग ऐसी ही है। विज्ञान एवं वैज्ञानिक व्यक्तित्व तभी अधिक प्रासंगिक हो सकेगे जब चेतना की खोज, मानव की खोज होगी। आज इसकी सर्वाधिक अपेक्षा है। मानव की खोज बहुत कम हुई है। वैज्ञानिकों ने जितने परीक्षण किये हैं, चूहों पर, मेढकों और बन्दरों पर किए हैं। सारे प्रयोग पशुओं पर हुए हैं। मनुष्य को उसने अपनी प्रयोग भूमि नहीं बनाया। मनुष्य को समझने का सबसे कम प्रयत्न हुआ है।

अब आवश्यकता है कि मानव का भलीभांति अध्ययन हो। मानवीय मस्तिष्क का अध्ययन उसमें प्रमुख बने। हमारी सारी शिक्षा, सभ्यता, संस्कृति, तकनीकी विकास, सारे जीवन-मूल्य-इनका अधिष्ठाता प्रतिष्ठाता तो मनुष्य का मस्तिष्क है, नाड़ीतंत्र है, ग्रंथितंत्र है। इन सबका अध्ययन तो नहीं किया जा रहा है, समझने का प्रयत्न नहीं किया जा रहा है, सारी रिसर्च पदार्थ पर हो रही है। यह मूल में भूल है। फिर समस्या का समाधान कैसे होगा? आवश्यक है मानव और मानवीय चेतना का अध्ययन। जिस दिन यह हमारी वृत्ति बनेगी उस दिन अध्यात्म और विज्ञान, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक व्यक्तित्व की युति बनेगी, दोनों का योग बनेगा, दोनों एक बनेंगे, तभी विश्व विज्ञान दिवस मनाना सार्थक होगा। आध्यात्मिक गुफा में मौन बैठा रहेगा और वैज्ञानिक अणुबम बनाता रहेगा तो उस अणुबम की अणुधूलि उस गुफा तक भी पहुंचेगी। इसलिए आज की अपेक्षा है कि हर विद्यार्थी वैज्ञानिक बने किन्तु कोरा वैज्ञानिक न बने, आध्यात्मिक वैज्ञानिक बने। आज हर धर्म संस्थान में जाने वाले व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल आध्यात्मिक न बने, उसका दृष्टिकोण वैज्ञानिक बने। इन दोनों का योग ही वर्तमान की सारी समस्याओं-जलवायु परिवर्तन, युद्ध, हिंसा, आतंक, गरीबी, महामारियों का समाधान है और यही विज्ञान दिवस का पहला प्रयत्न या पहला प्रस्थान अधिक उपयुक्त हो सकता है।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

किसी 'देवदूत' की राह देखता उत्तराखंड

डॉ घनश्याम बादल

9 नवंबर, 2000 को देश के सत्ताईसवें राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश से उत्तरांचल नाम से आज के उत्तराखंड का जन्म पहाड़ व पहाड़ियों को एक नई पहचान देने और उनके विकास में जान डालने के सपने के साथ हुआ।

जन्म के समय के उत्तरांचल और आज के उत्त-राखंड में शुरु में केवल 10 जिले थे जो बाद में बढ़कर 13 हो गए इनमें से 7 गढ़वाल में, देहरादून, उत्तरकाशी , पौड़ी, नई टिहरी, चमोली, रूद्रप्रयाग और हरिद्वार और 6 कुमाऊँ मंडल में हैं जिनमें अल्मोड़ा, रानीखेत, पिथौरागढ़, चम्पावत, बागेश्वर और उधमसिंहनगर शामिल हैं जबकि रुड़की सहित तीन और जिलों की मांग पूरी करना अभी भी शेष है। उत्तराखंड की सीमाएं पूर्व में नेपाल, उत्तर में चीन, पश्चिम में हिमाचल प्रदेश और दक्षिण में उत्तर प्रदेश से मिलती हैं। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां के धरातल पर भौगोलिक समाजवाद दिखाई देता है। उत्तराखंड की संस्कृति संसार की सर्वश्रेष्ठ संस्कृतियों में से एक मानी जा सकती है। इस भूमि की पवित्रता एवं प्राकृतिक सुषमा के कारण ही इसे देवभूमि का नाम दिया गया है।

पुराणों का मानसखंड : प्राचीन काल में पौराणिक ग्रन्थों में यह क्षेत्र 'मानसखण्ड' के नाम से प्रसिद्ध था। पौराणिक ग्रन्थों में उत्तरी हिमालय में सिद्ध गन्धर्व, यक्ष, किन्नर जातियों की सृष्टि और इस सृष्टि का राजा कुबेर को बताया गया है। कुबेर की राजधानी अलकापुरी (बद्रीनाथ से ऊपर) बताई जाती है। पुराणों के अनुसार राजा कुबेर के राज्य में आश्रम में ऋषि-मुनि तप व साधना करते थे। अंग्रेज इतिहासकारों के अनुसार हुण, सकास, नाग, खश आदि जातियाँ भी हिमालय क्षेत्र में निवास करती थी। पौराणिक ग्रन्थों में केदार खण्ड व मानस खण्ड के नाम से इस क्षेत्र का व्यापक उल्लेख है। इस क्षेत्र को देव-भूमि व तपोभूमि माना गया है।

धर्म कर्म का राज्य : उत्तराखंड में बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री चारों धाम भारतीय संस्कृति के समन्वय की अद्भुत मिसाल हैं, ये चारों धाम भारतवासियों के ही नहीं विश्व जनमास के श्रद्धा व विश्वास के धर्म स्थल हैं। यहाँ भिन्न- भिन्न प्रजातियों के पशु-पक्षी, गंगा, यमुना, काली, रामगंगा, भागीरथी, अलकनन्दा, कोसी, गोमती, टौंस, मंदाकिनी, धौली गंगा, गौरीगंगा, पिंडर , नयार आदि छोटी- बड़ी साफ़ सुथरी नदियां हैं। प्राकृतिक झरने, बाँस, बुरांश, देवदार के आसमान छूते उच्च वृक्ष हैं और पर्वत चोटियों पर सिद्धपीठ, प्राकृतिक सुन्दरता से भरपूर शहर, हरिद्वार, ऋषिकेश जैसे धार्मिक नगर, गंगा जैसी पवित्र नदियाँ अपनी कल-कल ध्वनि करती हुई युगों से लाखों जीवों की प्राण रक्षा का भार उठाते हुए सम्पूर्ण मलिनताओं को धोते हुए अंतिम गंतव्य तक पंहुचती हैं।

प्रकृति की उदारता : प्रकृति की उदारता यहां जमकर बरसी है तभी तो यहां देश के प्रमुख ग्लेशियर गंगोत्री,यमुनोत्री, पिण्डर, खतलिगं, मिल, जौलिंकांग, सुन्दर ढूंगा इत्यादि उत्तराखंड के गले में पड़े नगीना जड़े हार की तरह यहां स्थित हैं वहीं प्रमुख झीलें गौरीकुण्ड, रूपकुण्ड, नंदीकुण्ड, डूयोढ़ी ताल, जराल ताल, शहस्त्रा ताल, मासर ताल, नैनीताल, भीमताल, सात ताल, नौकुचिया ताल, सूखा ताल, श्यामला ताल, सुरपा ताल, गरूड़ी ताल, हरीश ताल, लोखम ताल, पार्वती ताल,

राज्य स्थापना दिवस विशेष :

तड़ाग ताल (कुंमाऊँ क्षेत्र) यहां के राज्य को उन्हें केवल जल की आपूर्ति करती हैं अपितु इस विद्युत उत्पादक प्रमुख राज्य में भी तब्दील करती हैं।

युगों पुराना इतिहास : उत्तराखंड का इतिहास उतना ही पुराना है जितना कि मानव जाति का। यहाँ कई शिलालेख, ताम्रपत्र व प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। जिससे गढ़वाल की प्राचीनता का पता चलता है। गोपेश्वर में शिव-मंदिर में एक शिला पर लिखे लेख से ज्ञात होता है कि कई सौ वर्ष से यात्रियों का आवागमन इस क्षेत्र में होता आ रहा है। मार्कण्डेय पुराण, शिव पुराण, मेघदूत व रघुवंश महाकाव्य में यहाँ की सभ्यता व संस्कृति का वर्णन हुआ है। बौधकाल, मौर्यकाल व अशोक के समय के ताम्रपत्र भी यहाँ मिले हैं। इस भूमी का प्राचीन ग्रन्थों में देवभूमि या स्वर्गद्वार के रूप में वर्णन किया गया है। पवित्र गंगा हरिद्वार में मैदान को छूती है।

लोकसंस्कृति का अनुपम गढ़ : उत्तराखंड की संस्कृति में संगीत का एक अहम स्थान रहा है। यहां के लोक गीत, लोक गाथायें, वाद्य, नृत्य इत्यादि यहां के जीवन का अभिन्न अंग हैं। इन लोकगीतों को जब यहां के परम्परागत वाद्यों हुड़का, बादी, औजी, मिरासी, डौर-थाली आदि के तान के साथ गाया जाता है तो अद्भुत समां बंध जाता है। यें लोकगीत जीवन के हर पहलू से जुड़े हुए हैं इसी आधार पर इनको कुछ भागों में विभाजित किया जा सकता है जैसे - संस्कार गीत, धार्मिक गीत, ऋतु गीत इत्यादि। इन्हीं में से एक हैं संस्कार गीत। संस्कार गीतों में प्रमुख हैं शकुनाखर।

राजधानी का उलझा प्रश्न : देहरादून, उत्त-राखण्ड की अन्तरिम राजधानी होने के साथ इस राज्य का सबसे बड़ा नगर है। गैरसैण नामक एक छोटे से कस्बे को इसकी भौगोलिक स्थिति को देखते हुए भविष्य की राजधानी के रूप में प्रस्तावित किया गया है किन्तु विवादों और संसाधनों के अभाव के चलते अभी भी देहरादून अस्थाई राजधानी बना हुआ है, राज्य का उच्च न्यायालय नैनीताल में है। महज 24 साल में ही अनेक मुख्यमंत्री व राज्यपाल देखने वाले उत्तराखंड में आज पहाड़वाद व मैदानवाद की पीड़ादायी कसक इसके विकास में बाधक बनी है।

पहाड़ आज भी विकास की राह देख रहे हैं तो मैदानी लोग मूलनिवास आदि के लिए भेदभाव का खुला आरोप लगा रहे हैं। कभी गोविंद बल्लभ पंत जैसे आदर्श व हेमवतीनंदन बहुगुणा जैसे चतुर नेता देने वाले उत्तराखंड को बारी-बारी से कांग्रेस एवं भाजपा की सरकारी मिली पिछले दो विधानसभा चुनावों से यहां डबल इंजन वाली भाजपा का आधिपत्य व सरकार है। पर राज्य में ही चलते उठा पटक के चलते एक भी मुख्यमंत्री यहां का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया और तीर्थ सिंह रावत तो केवल 4 महीने में ही चलते कर दिए गए वर्तमान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी युवा है और साथ ही साथ पार्टी एवं सरकार पर भी उनका अच्छा खासा प्रभाव है लेकिन फिर भी उत्तराखंड के विकास को वह गति अभी तक नहीं मिली है जिसकी अपेक्षा जनता पाली हुए है। कांग्रेस में भले ही हरीश रावत जैसे कद्दावर नेता उत्तराखंड में मौजूद हैं लेकिन हाल फिलहाल उनकी न तो राज्य में और न ही अपनी पार्टी में ज्यादा चलती हुई दिखाई दे रही है। पार्टी के युवा नेता तो उन्हें अपने भविष्य के प्रति खतरा ही समझते हैं। ऐसा लगता है कि अब हरीश रावत केवल पहाड़ी व्यंजनों की पार्टी करके ही पार्टी और खुद को स्थापित रखने की नीति पर चल रहे हैं।

अब सरकारें चाहे कांग्रेस की रही या भाजपा की मगर लगभग हर सरकार ने बस सपने ही दिए, हकीकत में विकास उत्तराखंड में कम ही हुआ है। महा प्रश्न यह है कि पहाड़,पहाड़ियों एवं बेरोजगारी झेलते युवाओं व उत्तराखंड के सपनों को पूरे कौन करेगा? और गिरते हुए पुलों, यहां से विस्थापित होते उद्योगों, बिजली की कमी, पहाड़ और मैदान के विरोध और पनपते भ्रष्टाचार ने देवभूमि को जिस तरह आहत किया है उससे निराशा ही पनपती है। 'देवदूत' प्रतीक्षा देख रहा है उत्तराखंड।

वादा वही जो तोड़ा जाए

रामविलास जांगिड़

मुफ्त की रेवड़ियां बंटने की घंटी बजाई जा रही है। वादों को पूरा करने के लिए वादे किए जा रहे हैं। एक आम आदमी बेचारा गीत गा रहा है। एक वोटर चांदनी रात में धूप से झुलस रहा है। वह दलदल पार्टी के मुखिया से पूछ रहा है- क्या हुआ तेरा वादा, वो कसम वो इरादा! जनता से किए वादे भूलना भी तुम्हारे इरादों का हिस्सा ही होगा। याद है, मुझको तुमने कहा था। हम सबका भला होगा यही कहा था। सपने जो तुमने दिखाए थे सबको। रात में सूरज दिखाए थे हमको। अब वो कैसे पूरे होंगे भला? तुम्हारे भाषण, हर झूठे पैगाम। के तुम्हें कुछ भी याद नहीं।

क्या हुआ तेरा वादा? ओ सुनने वाले बहाने बनाना। चुनाव से पहले थे, सब साथ। अब दूर-दूर तक नजर नहीं आते। बस हम रह गए हाथ मलते मलाते। वो ही वादे, वो ही झूठी बातें। के तुम्हें कुछ भी याद नहीं। क्या हुआ तेरा वादा? भूलेगा दिल जिस दिन तुम्हें। वो दिन हमारी उम्मीदों का आखिरी दिन होगा। क्या हुआ तेरा वादा? वो कसम वो इरादा?

इधर गठबंधन बड़े ही ठगबंधन के साथ चले आ रहे हैं। अभी लबचंदन पीरियड चल रहा है। चुनाव परिणाम के बाद यही ठगबंधन कुर्सी के लिए लठबंधन हो जाते हैं। बेचारा वोटर हाथ मलता ही रह जाता है। दलदल पार्टी, रबरदल पार्टी के साथ मिलकर कीचड़ पार्टी में छप-छप करती है। कुर्सी प्राप्ति के लिए सभी

व्यंग्य

प्रकार की उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम पार्टियां मिलकर एक होकर गीत गाती है- वादा कर ले साथी रे। तेरे बिना हम न रहें। हमारे बिना तू न रहे। होके जुदा! ये वादा रहा, न होंगे जुदा। ये वादा रहा। मैं जनता, तू नेता हमारा। मैं आशा, तू सपना हमारा। हम मिलके कुर्सी जीत जाएंगे। तू कुर्सी, तेरी ताकत। तेरी जीत में मैं भी हूँ हिस्सेदार। हम सब मिलकर कुर्सी साधेंगे। जब से हुई ये गठबंधन की बात। बढ़ने लगी हर दिन मीठी मुलाकात। साथ निभाते रहेंगे सदा। हर हलवे को मिलके खा जाएंगे। जनता के भरोसे का कचरा बनाएंगे। हर हाल में कुर्सी साथ ले जाएंगे। वादा कर ले साथी रे। तेरे बिना हम न रहें। हमारे बिना तू न रहे। होके जुदा। ये वादा रहा, न होंगे जुदा।

इधर चुनाव खत्म, पैसा हजम! बच्चा लोग बजाओ ताली। कानपुर हो या काली। वोटर बेचारा टूटी टांग लेकर टूटी खाट पर पड़ा-पड़ा करहा रहा है। दर्द भरी आवाज से आंसू निकल रहा है- वादा न तोड़, वादा न तोड़। मेरे टूटते सपने कराहें। तू मुंह न मोड़, वादा न तोड़। वादा न तोड़, वादा न तोड़। तूने किए जो वादे सुनहरे। आज क्यों वो सब बिखर रहे। तूने कहा था पानी लाएगा।

तूने कहा था सड़क बनाएगा। हर दिन जो तूने उम्मीदें जगाई। पानी में तूने जो आग लगाई। अब खामोशी में डूबी जाएं। तू सत्ता में जब है आया, तूने ही ये सब भुलाया। फिर से तू बड़ा धोखेबाज निकला। वादा न तोड़! बदल रहा है ये मिजाज। सब कुछ बिखरा है मेरा आज। तूने दिखाए जो सपने हजारों। सब लुट गए हैं, पिट गए यारों। तू मुंह न मोड़, मत भूल ये वादे। मार दिए तूने जनता के सारे इरादे। वादा न तोड़! सच्ची राजनीति तो यही है- वादा वही जो तोड़ा जाए। कुर्सी के लिए एक-एक वोट जोड़ा जाए।

वर्ग पहेली नं. 2912

1		2	3	■	4		5	■	6
	■	7		8		■	9	10	
11			■	12		13	■		■
	■	14			■	15			
■	16		■	■	17		■		■
■		■	18			■	19		
20				■	21				■
22		■		■		■		■	23
	■	24				■	25		

बायें से दायें :- 1) बारी; मौका; घड़ी, 4) बस इतना; ख़ाली, 7) लाचार, 9) सांत्वना, 11) अनुग्रह, 12) नमूना; आकृति का आभास, 14) याद न रखना, 15) अभ्यास; दक्षता, 16) पृथ्वी, 17) क्षण, 18) विजय, 19) अपरिवर्तनीय, 20) कुचली हुई वस्तु, 21) अविराम, 22) चौराहा, 24) अज्ञानी; व्यवहार अकुशल, 25) संख्या.

ऊपर से नीचे :- 1) राजस्थान का एक प्रमुख शहर, 2) कुरु-क्षेत्र *(महाभारत)*, 3) धूल, 4) मलयालम प्रदेश, 5) बुरी आदत, 6) शेर की मौसी, 8) समझना, 10) मामूली, 13) सरोज, 16) गलती, 17) मल्ल, 18) चटपटा उपाहार, 19) स्थान चिन्ह; पहेली संकेत; सुझाव; हवाला, 20) भरवाँ पूरी, 23) मुँदा; आम हड़ताल.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

उ	■	स	या	ना	■	ब	च्चा	दा	नी
ता	■	ड़	■	ना	ख़ू	न	■	य	ति
रो	च	क	ता	■	ब	वा	सी	र	■
ता	■	■	ज़	च्चा	■	री	ता	■	क
र	वा	न	गी	■	ब्या	■	फ	फो	ला
■	कि	■	■	आ	ज	क	ल	■	पू
द	या	सा	ग	र	■	सू	■	क	र्ण
र	■	धा	■	ती	मा	र	दा	री	■
बा	ब	र	ची	■	नी	■	ब	ब	र

सुडोकू-पहेली-2872

6						5		
					8		4	
				1				
	1					6		7
	3		4					
			2					
				7		3		
2			6					
8							1	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2871 का उत्तर

9	8	2	1	4	5	3	6	7
5	4	7	3	6	2	8	1	9
6	1	3	8	7	9	4	5	2
2	3	9	7	5	8	6	4	1
7	5	4	6	9	1	2	3	8
8	6	1	4	2	3	7	9	5
3	7	5	2	1	6	9	8	4
1	2	6	9	8	4	5	7	3
4	9	8	5	3	7	1	2	6

तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन, सुकांत मजूमदार व केंद्रीय बलों की शिकायत

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को दिल्ली में निर्वाचन आयोग के कार्यालय पहुंचा और दो ज्ञापन सौंपे, जिनमें से एक में प्रदेश भाजपा प्रमुख सुकांत मजूमदार पर 'भारत के राष्ट्रीय प्रतीक और राज्य पुलिस का अपमान करने' का आरोप लगाया गया जबकि दूसरा उपचुनाव के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती के मुद्दे से संबंधित था। पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता सुदीप बंदोपाध्याय, राज्यसभा संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन और सांसद कीर्ति आजाद, साकेत गोखले और सुष्मिता देव शामिल थीं। तृणमूल नेताओं ने शिकायत की कि निर्वाचन आयोग को पूर्व सूचना देने के बावजूद आयोग के कार्यालय में उनसे मिलने के लिए कोई अधिकारी उपलब्ध नहीं था। निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने बताया कि आयोग को शुक्रवार की देर शाम तृणमूल कांग्रेस से एक मेल मिला था जिसमें एक मुलाकात का अनुरोध किया गया था लेकिन इसमें कारण या तात्कालिकता का कोई उल्लेख नहीं था। सूत्रों ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने मेल में कोई प्रतिवेदन नहीं था। तृणमूल प्रतिनिधि पहले से समय लिये बिना आ गए थे और उनका ज्ञापन शनिवार को रसीद और प्रेषण अनुभाग में प्रक्रिया के अनुसार प्राप्त किया गया। तृणमूल नेता आजाद और देव ने कहा कि वे निर्वाचन आयोग के आचरण से निराश हैं। आजाद ने कहा कि हमने (निर्वाचन आयोग से) समय मांगा था, 24 घंटे से ज़्यादा हो गए हैं। चुनाव प्रचार 11 नवंबर को बंद हो जाएगा और 13 नवंबर को मतदान होगा। चुनाव नियमावली में कहा गया है कि प्रतिनिधिमंडल से मिलने के लिए एक पूर्ण पीठ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम यहां पांच लोग हैं और हम संसद में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी हैं, जिसके दोनों सदनों के नेता हैं। फिर भी, उनके पास हमसे मिलने का समय नहीं है। यह दर्शाता है कि वे केंद्र सरकार की कठपुतली हैं। पार्टी की शिकायतों के बारे में विस्तार से बताते हुए देव ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग के 2003 के तैनाती नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नियमों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जहां केंद्रीय तैनाती की जाती है, वहां उनके साथ राज्य पुलिस का एक प्रतिनिधि होना चाहिए। उन्होंने

कहा कि लेकिन हमने बंगाल उप-चुनाव में जो देखा है, वह यह है कि केंद्रीय बल बंगाल भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) नेताओं के साथ समन्वय में काम कर रहे हैं, न कि राज्य पुलिस के साथ। उन्होंने आरोप लगाया कि वे (केंद्रीय बल) भाजपा नेताओं के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रभावित कर रहे हैं। आज हमें भारत के निर्वाचन आयोग के समक्ष सुनवाई का मौका नहीं मिला। तृणमूल कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया कि सुकांत मजूमदार ने 7 नवंबर को चुनावी तालडांगरा में एक चुनावी रैली के दौरान झूठा, अपमानजनक और मानहानिकारक भाषण दिया था और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि मजूमदार ने यह कहकर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक और राज्य पुलिस का भी अपमान किया कि पुलिस कर्मियों को अपनी वर्दी पर प्रतीक के स्थान पर जूते जैसे चिह्न लगाने चाहिए। देव ने कहा कि भाजपा राष्ट्रवाद की बात करती है, जबकि उसके नेता राष्ट्रीय प्रतीक के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के एक मंत्री राज्य पुलिस से क्या कह रहे हैं? अपना अशोक चिह्न उतारो और वहां एक चप्पल लगाओ। इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी के लिए निर्वाचन आयोग से गंभीर कार्रवाई की मांग की जाती है। उन्होंने कहा कि सोमवार को चुनाव प्रचार समाप्त हो रहा है, इसलिए हम तत्काल कार्रवाई की उम्मीद करते हैं ताकि बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष उपचुनाव हो सके। तृणमूल नेताओं ने अपने ज्ञापन में निर्वाचन आयोग से भाजपा और उसके नेताओं को राज्य पुलिस और तृणमूल के खिलाफ कोई भी असत्यापित, अपमानजनक और भड़काऊ बयान देने से बचने के लिए उचित निर्देश जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने निर्वाचन आयोग से मजूमदार को बिना शर्त माफी मांगने का निर्देश देने का भी आग्रह किया। एक अन्य ज्ञापन में, तृणमूल ने उप-चुनावों के दौरान केंद्रीय बलों की तैनाती के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने निर्वाचन आयोग के 2023 के चुनावों में बल तैनाती पर नियमावली की धारा 8.5 की उपधारा सी का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है: प्रत्येक सीएपीएफ टीम को उनके आने के समय से लेकर चुनावी प्रक्रिया पूरी होने तक स्थानीय पुलिस का एक प्रतिनिधि प्रदान किया जाना चाहिए ताकि वे इलाके और स्थानीय के अपने ज्ञान के कारण अपनी ड्यूटी अच्छी तरह से कर सकें।

बीएसएफ ने मुर्शिदाबाद में 18.73 लाख का सोना किया जब्त, एक गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद/कोलकाता : बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत के अंतर्गत 146 वीं बटालियन की सीमा चौकी चरभद्र बेस के जवानों ने इस सप्ताह दूसरी बार सोना जब्त किया है। 07 नवंबर को सीमा चौकी चरभद्र के जवानों ने एक ट्रैक्टर चालक को 04 सोने के टुकड़ों के साथ गिरफ्तार किया, जब वह इन सोने के टुकड़ों को बांग्लादेश से भारत में तस्करी का प्रयास कर रहा था। जब्त सोने का कुल वजन 232 ग्राम है और अनुमानित कीमत 18.73 लाख है। ज्ञात रहे कि बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत ने एक ही सप्ताह में यह तीसरी सोने की जब्ती की है। जिसमें दो सोने की जब्ती सीमा चौकी चरभद्र के इलाके में हुई है और इस सप्ताह में बीएसएफ ने 1.44 करोड़ का कुल 1.87 किलो सोना जब्त किया है। गत 07 नवंबर को सीमा चौकी चारभद्र बेस को संभावित सोने की तस्करी के बारे में सूचना मिली। जिसके आधार पर वे घात लगाए बैठे थे। बाद में सूत्रों से खबर मिली कि तस्करों ने अपना रास्ता बदल दिया है और सोना दूसरे व्यक्ति को सौंप दिया। घात लगाने वाली पार्टी ट्रैक्टर की ओर भागी और बीएसएफ पार्टी ने ओपी पॉइंट पर बताये गए ट्रैक्टर को रोक लिया। तलाशी के दौरन ड्राइवर सीट के ठीक नीचे से सोने के 04 टुकड़े मिले। जिसके बाद ट्रेक्टर चालक को जब्त किये गए सोने के साथ आगे की कार्रवाई के लिए बीओपी चारभद्र बेस लाया गया। बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत के जनसंपर्क अधिकारी ने बीएसएफ कर्मियों के प्रयासों की सराहना की और तस्करी गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए बीएसएफ की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

महिलाओं के खिलाफ अपराध तभी रुकेंगे, जब ममता मुख्यमंत्री पद से हटेंगी : शुभेंदु अधिकारी

बांकुड़ा : भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को दावा किया कि आरजीकर अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से कथित दुष्कर्म और हत्या जैसे अपराधों पर प्रभावी रूप से तभी लगाम लगाई जा सकती है, जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सत्ता से बाहर होंगी। विपक्ष के नेता अधिकारी ने बांकुरा जिले की तलडांगरा सीट से भाजपा उम्मीदवार के लिए प्रचार के दौरान यह टिप्पणी की। इस दिन, शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं के साथ बर्बरता की चौंकाने वाली घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पुलिस आंखें मूंदे बैठी है। यह सिलसिला तभी रुक सकता है, जब ममता बनर्जी

मुख्यमंत्री पद से हटेंगी। उन्होंने कहा कि आरजीकर अस्पताल मामले की पीड़िता के लिए बड़ी संख्या में लोग त्वरित न्याय की मांग कर रहे हैं और बेहतर होता कि यह मुकदमा राज्य के बाहर चलाया जाता।

❑ आरजीकर घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए : कुणाल घोष

तृणमूल के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने संवाददाताओं से कहा कि कुछ राजनीतिक दल और संगठन आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नौ अगस्त को हुई घटना को लेकर लोगों को भड़काने और अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। इस मामले की जांच अब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है। पूर्व राज्यसभा सदस्य घोष ने कहा कि इस बात पर गौर किया जा सकता है कि घटना में कथित संलिप्तता के लिए एकमात्र गिरफ्तारी कोलकाता पुलिस ने अपराध के 24 घंटों के भीतर की थी। सीबीआई ने उसे (संजय रॉय) भी मुख्य आरोपी बनाया है। हम सभी चाहते हैं कि आरजीकर मामले की पीड़िता को न्याय मिले, लेकिन इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

आरजीकर घटना के पीछे तृणमूल सरकार की सहमति और प्रेरणा थी : समिक भट्टाचार्य

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी को 90 दिन हो गए। अन्याय के खिलाफ कोलकाता में जूनियर डॉक्टर्स की शनिवार को एक बड़ी रैली की। इस पर, भाजपा के राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य ने जूनियर डॉक्टर्स से साथ एकजुटता प्रकट की है। उन्होंने कहा कि हमें यह विश्वास नहीं होता कि इस सरकार के होते हुए किसी को न्याय मिल सकता है। जो भी डॉक्टरों द्वारा उठाई गई मांगें हैं, वह जायज हैं और सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। लेकिन, अगर तृणमूल पार्टी से कोई मानवता की उम्मीद कर रहा है, तो यह गलत है। सब जानते हैं कि यह केवल एक व्यक्ति का काम नहीं था। संदीप घोष जैसे व्यक्ति अकेले इस व्यवस्था को खड़ा नहीं कर सकते थे और इसके पीछे तृणमूल सरकार की सहमति और प्रेरणा थी। उसी कारण पूरा सिस्टम चरमरा गया है। जितना समय बीतेगा, यदि कुछ नहीं बदला तो कोई सुधार नहीं आएगा। भाजपा का यह कहना है कि हम जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं और उनकी मांगों को तुरंत पूरा करने की अपील कर रहे हैं, विशेषकर उनकी सुरक्षा को लेकर। लेकिन, यह हो नहीं रहा है। जैसे-जैसे समय आगे बढ़ेगा, अगर यही स्थिति बनी रही तो तृणमूल पार्टी का शासन और शांति का माहौल किसी भी सुधार के बिना चलता रहेगा, जो असंभव है।

कोलकाता में डेंगू से दो लोगों की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश में एक और डेंगू मरीज की मौत हो गई। इस बार युवक की मौत खास कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में हुई। राज्य में अब तक डेंगू से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। मृतक का नाम बिट्टू सिंह है। उम्र 36 साल है। वह जोडाबागान इलाके का रहने वाला है। उसे बुखार के कारण शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मृत्यु प्रमाण पत्र में डेंगू बुखार का उल्लेख है। गौरतलब है कि कोलकाता में 7,500 लोग डेंगू से संक्रमित हैं। फीवर क्लिनिक में उनका परीक्षण किया गया और

रिपोर्ट सकारात्मक आई। राज्य में संक्रमितों की संख्या 15 हजार के पार पहुंच गई है। हालांकि, राज्य स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के मुताबिक इस बार डेंगू के मामले पिछली बार की तुलना में काफी कम हैं। दूसरी तरफ, विधाननगर निवासी एक महिला की शनिवार को डेंगू से मौत हो गई । उनके मृत्यु प्रमाण पत्र में भी कहा गया है कि उनकी मृत्यु डेंगू से हुई है। शिवानी दास (69) बिधाननगर के वार्ड नंबर चार के सरतपल्ली की रहने वाली हैं। वह कई दिनों से बुखार से पीड़ित था। हालत बिगड़ने पर उन्हें बागुईहाटी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां शनिवार को उनकी मौत हो गई। मृत्यु प्रमाण पत्र में 'डेंगू रक्तस्रावी बुखार' का उल्लेख है। इस सीजन में बिधाननगर में डेंगू से यह पहली मौत है।

मां-बेटी एक साथ हुई गर्भवती, लोक-लाज के डर से मां ने नवजात को जिंदा दफनाया

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना के मंदिरबाजार थाने के चांदपुर धोपाहाट इलाके में एक बच्ची को जिंदा दफना दिया गया। खबर मिलते ही पुलिस तुरंत पहुंची और शव को बरामद कर अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। मृत बच्चे के परिजनों का आरोप है कि उसकी मां ने सामाजिक शर्मिंदगी के डर से नवजात की हत्या कर दी। हालांकि शुरुआत में यह हाल ही में हुई हत्या की घटना थी, लेकिन इसके पीछे भयानक जानकारी सामने आई है। स्थानीय और पुलिस सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार की रात चांदपुर धोपरहाट इलाके में एक गर्भवती महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। आरोप है कि महिला ने नवजात को जन्म के बाद जिंदा दफना दिया। उधर, यह घटना होते ही मंदिरबाजार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जमीन खोदकर नवजात को बचाया। उसे नयारहाट अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस बीच प्रारंभिक तौर पर यह आशंका जताई गई कि लड़की को जन्म देने के बाद परिजनों ने नवजात को दफना दिया। लेकिन बाद में पुलिस जांच में भयानक जानकारी सामने आई। मालूम हो कि महिला की तीन बेटियां और दो बेटे हैं। फिलहाल उस महिला की एक बेटी और वह खुद एक साथ गर्भवती हो गई। एक मां के रूप में उन्हें शर्मिंदगी महसूस हुई क्योंकि माँ और बेटी दोनों एक ही समय में गर्भवती थीं। इसके बाद सामाजिक शर्मिंदगी के डर से उसने नवजात को रात के अंधेरे में अस्पताल से बाहर ले जाकर जिंदा दफना दिया। पुलिस ने बताया कि महिला ने खुद घटना के बारे में कबूल किया है। परिजनों ने नवजात की हत्या का आरोप लगाया है। महिला का वर्तमान में नैय्यरत ग्रामीण अस्पताल में इलाज चल रहा है क्योंकि वह रक्तस्राव के कारण बीमार पड़ गई थी। घटना जांच के अधीन है।

बनगांव में लापरवाह ट्रक के पहिए से कुचलकर दो की मौत, ड्राइवर फरार

कोलकाता, समाज्ञा : ट्रक के पहिये से कुचल कर दो युवकों की मौत हो गई । यह हादसा शुक्रवार की देर रात बनगांव थाने के जयपुर कालीबाड़ी मोड़ इलाके में हुआ। हत्यारा ट्रक चालक फरार है। पुलिस तलाश में जुट गई है। इस बीच, दो दिनों के अंतराल में उस क्षेत्र के जेसोर रोड पर लगातार दो दुर्घटनाओं से स्थानीय निवासी गुस्से में हैं। वे पुलिस की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 25 वर्षीय शुभोजीत सरकार और 30 वर्षीय संदीप घोष बाइक से घर लौट रहे थे। अचानक सड़क पर एक वैन आई और उन्होंने बाइक लेकर बाईं ओर जाने की कोशिश की। तभी पीछे से आए एक ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर को संभाल पाने में असमर्थ शुभोजीत बाइक से गिर गया। ट्रक का पहिया उसके सिर के ऊपर से निकल गया। शुभोजीत की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आकर संदीप को बचाया और बनगांव सब-डिविजनल अस्पताल ले गई, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

पश्चिम बंगाल में ट्रेन हादसा, सिकंदराबाद-शालीमार सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 3 डिब्बे पटरी से उतरे

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के निकट सिकंदराबाद-शालीमार सुपरफास्ट एक्सप्रेस के तीन डिब्बे शनिवार की सुबह करीब 5.30 बजे पटरी से उतर गए। दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एसईआर के प्रवक्ता ओमप्रकाश चरण ने कहा कि कोलकाता से करीब 40 किलोमीटर दूर नालपुर में साप्ताहिक विशेष ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।' उन्होंने बताया कि ट्रेन के दो डिब्बे (एक थर्ड एसी इकोनॉमी और एक थर्ड एसी) तथा एक पार्सल वैन उस समय पटरी से उतर गए जब ट्रेन एक पटरी से दूसरी पटरी पर जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि 22850 सिकंदराबाद-शालीमार साप्ताहिक एक्सप्रेस खड़गपुर डिवीजन के नालपुर स्टेशन से गुजर रही थी उसी दौरान तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। उन्होंने

बताया कि संतरागाछी और खड़गपुर से दुर्घटना राहत ट्रेन और मेडिकल राहत ट्रेन तुरंत सहायता के लिए रवाना कर दी गई हैं। यात्रियों को कोलकाता लाने के लिए कई बस भी भेजी गई हैं। उन्होंने कहा कि मरम्मत का कार्य प्रगति पर है। चरण ने बताया कि दुर्घटना के कारण कुछ एक्सप्रेस ट्रेन और ईएमयू लोकल ट्रेन रोक दी गईं या उनमें विलंब हो गया है। एसईआर के अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना की विभागीय जांच शुरू की जाएगी।

पार्टी ऑफिस में भाजपा नेता का शव बरामद, तृणमूल पर लगा हत्या का आरोप

✒ चार नवंबर से था लापता

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना के उस्ती थाना अंतर्गत द्वीपेर मोड़ इलाके में शुक्रवार की रात संदिग्ध हालत में एक भाजपा नेता की लाश उनकी पार्टी के कार्यालय में ही मिली। वह मथुरापुर सांगठनिक जिला में भाजपा के मीडिया व आईटी सेल के संयोजक थे। मृतक का नाम पृथ्वीराज नस्कर है। वह चार नवंबर यानी गत सोमवार की रात से लापता था। घटना को लेकर पूरी इलाके में सनसनी फैल गयी है। भाजपा की ओर से आरोप लगाया गया है कि तृणमूल समर्थित बदमाशों ने पृथ्वीराज नस्कर का अपहरण कर हत्या की है। हालांकि, तृणमूल ने आरोप को खारिज किया है। घटना को लेकर इलाके में तनाव की स्थिति है। घटनास्थल के पास काफी संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती है। मृतक के परिजनों ने बताया कि कुछ वर्षों पहले ही नस्कर भाजपा में शामिल हुए थे। उसके बाद से ही वह पार्टी में सक्रिय थे। नस्कर अपने पास हमेशा तीन मोबाइल फोन रखते थे। गत रविवार को उनके घर पर भाई-फोंटा के उपलक्ष्य में कार्यक्रम था। उसके अगले दिन सोमवार की रात को वह किसी काम से घर से बाहर गये थे। उसके बाद से ही उनका कुछ पता नहीं चल पा रहा था। परिजनों ने नस्कर के फोन पर कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन नहीं हो पाया। परिजनों के कहना है कि उनका फोन कभी ऑन रहता था, तो कभी स्वीच ऑफ। काफी खोजबीन करने के बाद भी जब नस्कर का पता नहीं चला, तो उस्ती थाने में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करायी गयी। गत शुक्रवार की रात को परिजनों को पता चला कि नस्कर की लाश उनके घर के पास मौजूद भाजपा कार्यालय के अंदर है। कार्यालय के दरवाजे पर बाहर से ही ताला लगा हुआ था। कार्यालय की खुली खिड़की से नस्कर की लाश अंदर होने का पता चला था। सूचना मिलते ही उस्ती थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पार्टी कार्यालय का ताला तोड़कर पुलिस अंदर घुसी और नस्कर को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसके मृत होने की पुष्टि हुई। नस्कर के शव को पोस्टमार्टम के लिए डायमंड हार्बर पुलिस मॉर्ग भेजा गया गया है। प्राथमिक रूप से पुलिस इसे हत्या का मामला मान रही है। शव की पोस्टमार्टम की रिपोर्ट मिलने के बाद नस्कर की मौत के सटीक कारण का पता चल पायेगा। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मामले से जुड़े हर पहलुओं की जांच की जा रही है। नस्कर की मौत के पीछे कोई राजनीतिक कारण है या फिर कोई अन्य वजह इसका भी पता लगाया जा रहा है।

Lost & Found

I, Indira Niranjan Lakhaney wife of Niranjan Ram Lakhaney, lost my original sale deeds of Uma Bhavan, Flat 3A, 84, Dr. Sundari Mohan Avenue, Kolkata-700014 being No.11036 of 11039 lodged G.D.E. on 29th October 2024 in Beniapukur Police Station, Kolkata. If anyone finds it please send it to the above address.

NAME CHANGE

I, Shivam Chowrasia, son of Raj Kumar Chowrasia, residing at 6, Sanatan Mistri Lane, VTC Haora Corporation, P.O Salkia, P.S Golabari, District Howrah West Bengal Pin-code 711 106, declare that my name with surname Shivam Chourasia and my father's name with surname Raj Kumar Chourasia has been wrongly and inadvertently recorded in my academic mark sheet cum certificate, Secondary School Examination 2020 issued by the Controller of Examination Central Board of Secondary Education, instead of Shivam Chowrasia and Raj Kumar Chowrasia. That the Shivam Chowrasia and Shivam Chourasia is the same and one identical person and Raj Kumar Chowrasia and Raj Kumar Chourasia is the same and one identical person vide Affidavit dated 05.11.2024, before the Court of Ld. 1st Class Magistrate at Howrah.

बांग्लादेश में इस्कॉन के भक्तों को धमकियां देने वालों को गिरफ्तार किया जाए : राधारमण दास महाराज

कोलकाता, समाज्ञा : बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम ने शुक्रवार की नमाज के बाद इस्कॉन के खिलाफ रैली निकाली। इस रैली में संगठन ने खुलेआम नारा लगाया है- 'एक इस्कॉन भक्त को पकड़ो, फिर कत्ल करो।' इसकी कोलकाता के इस्कॉन के राधा रमण दास महाराज ने निंदा की है। राधा रमण दास महाराज ने शनिवार को कहा कि हम सभी देख रहे हैं कि बांग्लादेश में पिछले 90 दिन से जो हिंसा का सिलसिला चल रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। कल जो दृश्य हमने बांग्लादेश की सड़कों पर देखे, वे अत्यधिक परेशान करने वाले थे। मुस्लिम कट्टरपंथियों ने खुलेआम सड़कों पर निकलकर इस्कॉन के भक्तों को अपहरण करने, यातनाएं देने और फिर उनकी हत्या करने की धमकियां दीं। ये बेहद खतरनाक और घृणित बयान थे। यह भी देखा गया है कि बांग्लादेश सरकार इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। हमारी यह मांग है कि ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया जाए, क्योंकि वे न केवल बांग्लादेश के धार्मिक वातावरण को विकृत कर रहे हैं, बल्कि सीधे-सीधे हिंसा और हत्या की धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले कुछ दिनों से इस्कॉन के खिलाफ एक सुनियोजित अभियान चलाया जा रहा है, जो बेहद चौंकाने वाला है। बांग्लादेश के एक मीडिया प्रमुख ने इस्कॉन को प्रतिबंधित करने की मांग की है, और ढाका विश्वविद्यालय में मुस्लिम छात्र संघ ने भी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर के इस्कॉन को बैन करने की मांग की है। यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि कट्टरपंथियों को लगता है कि इस्कॉन ने बांग्लादेश के हिंदुओं को एकजुट कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब बांग्लादेश में हिंदू समाज पर अत्याचार हो रहे थे, तो हिंदू लोग सड़कों पर उतरकर केवल अपनी सुरक्षा की मांग कर रहे थे, और वे हरिनाम कीर्तन के साथ शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे। कोई हिंसा नहीं, कोई उपद्रव नहीं, सिर्फ सुरक्षा की अपील। इसके बावजूद, कट्टरपंथी शक्तियां इस बात से नाराज हैं कि इस्कॉन ने हिंदू समुदाय को एकजुट कर दिया है। अब वे इस्कॉन के भक्तों के खिलाफ देशद्रोह के आरोप तक लगा रहे हैं और बांग्लादेश में इस्कॉन को बैन करने की कोशिश कर रहे हैं। राधारमण दास महाराज ने इसे बेहद गंभीर स्थिति करार देते हुए कहा कि इस तरह के कदम से न सिर्फ इस्कॉन को निशाना बनाया जाएगा, बल्कि बाकी हिंदू और अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ भी अत्याचार बढ़ सकते हैं। बांग्लादेश में एक समय हिंदुओं की आबादी 30 प्रतिशत थी, जो अब घटकर मात्र 6-7 प्रतिशत रह गई है। कट्टरपंथियों का उद्देश्य बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को पूरी तरह से खत्म करना है।

हिटलर के उत्पीड़न से भी ज्यादा बांग्लादेश में हिंदुओं पर जुल्म : शुभेंदु अधिकारी

बांग्लादेश के चटगांव में हिंदुओं पर हुए हमले पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य के विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से हस्तक्षेप की मांग की। भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं का उत्पीड़न हिटलर की नाजी ताकतों के अत्याचार को भी पीछे छोड़ दिया है। साथ ही उन्होंने टिप्पणी की कि दुनिया के सभी हिंदुओं को एकजुट होकर बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ खड़ा होना चाहिए। शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर यह दावा किया। शुभेंदु ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बांग्लादेशी सेना और वहां की पुलिस ने संयुक्त रूप से चटगांव के हजारी गली और बांग्लादेश के अन्य हिंदू बहुल स्थानों पर निर्दोष, निहत्थे हिंदुओं पर हमला किया। हमला करने तक ही नहीं रुकी, बल्कि उन्होंने दुकानें, घर, सोना, पैसा और घर के सभी कीमती सामान लूट लिये गये। सीसीटीवी बंद कर दिये गये या तोड़फोड़ दिये गये, ताकि सबूत के तौर पर कोई वीडियो फुटेज न रहे। इस हमले में कई हिंदू घायल हुए हैं, 200 से ज्यादा हिंदू गिरफ्तार किये गये हैं, जहां तक मैंने सुना है संयुक्त सेना की गोलीबारी में कई हिंदुओं के मारे जाने की आशंका है।

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION

- MATRIMONIAL
- PROPERTY
- RECRUITMENT
- EDUCATION
- NAME CHANGE
- PUBLIC NOTICE
- OBITUARY
- REMEMBRANCE
- DISPLAY

TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT

samagyaadvt@gmail.com | samagya.in

81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

मालदह में पिकअप वैन के धक्के से तीन मॉर्निंग वॉकरों की मौत

मालदह : जिले में राजमार्ग पर शनिवार को एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना मालदह के हरिश्चंद्रपुर इलाके में हुई। पिकअप वैन ने सुबह की सैर पर निकले लोगों को पीछे से टक्कर मार दी जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। इसके बाद, वाहन नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे खाई में गिर गया। अधिकारियों ने बताया कि तीन लोगों की मौके पर हो मौत हो गई जिनकी पहचान दिलीप साहा (49), फेकन लाल राम (60) और सुरेश खेतान (60) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वाहन चालक को गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पिकअप वैन को जब्त कर लिया गया है।

सरकारी अस्पतालों में इलाज न देकर हड़ताल पर नर्सिंग होम में 5 डॉक्टर का क्लेम 1.88 करोड़

कोलकाता, समाज्ञा : जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट ने अभया मामले में न्याय की मांग कर रहे मरीजों का सरकारी अस्पतालों में इलाज बंद कर लेफ्ट और अल्ट्रा-लेफ्ट के समर्थन में हड़ताल शुरू कर दी है।इस मोर्चे के डॉक्टरों ने त्योहार के दौरान भी पूजा पंडालों में विरोध प्रदर्शन कर धमकी और चेतावनी जारी कर अपनी विरोध छवि बनाए रखने की कोशिश की है लेकिन सरकारी आंकड़े कहते हैं कि इन 'अति-क्रांतिकारी' जूनियर डॉक्टरों ने निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में ड्यूटी करके करोड़ों रुपए कमाए हैं। भले ही वे हड़ताल के दौरान सरकारी अस्पतालों में असहाय मरीजों के साथ नहीं थे। स्वास्थ्य भवन के मुताबिक, इन जूनियर्स को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा शुरू की गई स्वास्थ्यसाथी योजना के तहत मरीजों के इलाज से 543.9 मिलियन रुपए मिले हैं। नवान्न के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि 9 अगस्त से 17 अक्टूबर तक इन 'प्रदर्शनकारी' जूनियर डॉक्टरों ने स्टार हेल्थ, ओरिएंटल इंश्योरेंस, न्यू इंडिया एश्योरेंस, नेशनल इंश्योरेंस के अलावा कई मेडिक्लेम कंपनियों से सैकड़ों करोड़ रुपये कमाए हैं। स्वास्थ्य बीमा में 55 करोड़ रुपए यह पाया गया है कि जब उन्हें अस्पताल में ड्यूटी पर रहना था, तो हड़ताल के दौरान मेडिकल कॉलेज के गेट या स्टेज पर खड़े होने के बजाय, उन्होंने नर्सिंग होम की ऑपरेटिंग टेबल पर काम किया और लाखों रुपए लेकर घर चले गए। स्वास्थ्य देखभाल बिल से कुछ जूनियर डॉक्टरों की कमाई का पता चलता है। जिन्होंने अगस्त माह से आंदोलन के नाम पर सरकारी अस्पताल को लटका रखा है। उधर, स्वास्थ्य साथी ने निजी नर्सिंग होम में मरीज को देखा।स्वास्थ्य भवन सूत्रों के मुताबिक 563 जूनियर डॉक्टरों की 'मेरिट' सामने आ गई है। इसमें निजी अस्पतालों से होने वाली आय के आधार पर पहले पांच लोगों की आय का परिदृश्य चौंकाने वाला है।

झुंझुनूं राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक है : प्रहलाद राय अग्रवाल

कोलकाता, समाज्ञा : आजादी के पहले और बाद में झुंझुनूं के उद्यमियों ने देश को आर्थिक रूप से सबल बनाने में अप्रतिम योगदान दिया और आज भी देश के कोने-कोने में बसे झुंझुनूं के प्रवासी उद्यमी अपनी सूझ-बूझ एवं उद्यमिता से विकास की नई-नई गाथा लिख रहे हैं, यह गर्व की बात है। हेस्टिंग्स में बसंत लाल जगतरामका स्मृति झुंझुनूं भवन का उद्घाटन करने के बाद मशहूर उद्योगपति पद्मश्री प्रहलाद राय अग्रवाल ने ये उद्गार व्यक्त किए। श्री अग्रवाल ने कहा कि कोलकाता के झुंझुनूं प्रवासियों ने समाज कल्याण के लिए आपसी एकता और समर्पण के बूते यह भवन निर्मित किया। श्री अग्रवाल ने झुंझुनूं प्रगति संघ, कोलकाता के पदाधिकारियों और सदस्यों का धन्यवाद करते हुए उन्हें सतत समाज कल्याण के कार्यों में जुड़े रहने की कामना की। झुंझुनूं प्रगति संघ, मुंबई के ट्रस्टी और प्रतिष्ठित उद्योगपति रमाकांत टिबड़ेवाल ने कहा कि झुंझुनूं का होना अपने आपमें गर्व का द्योतक है क्योंकि जहां भी झुंझुनूं के लोग गए हैं, वहां उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और प्रगति का इतिहास रचा है। झुंझुनूं प्रगति संघ, कोलकाता के अध्यक्ष विनोद कुमार नांगलिया ने कहा कि झुंझुनूं प्रवासी सदैव अपनी जन्मभूमि एवं कर्मभूमि के विकास में अग्रणी रहे हैं, आगे भी रहेंगे। सचिव नरेंद्र कुमार तुलस्यान ने कहा कि झुंझुनूं सिर्फ व्यवसायिक प्रगति में ही नहीं देश और समाज के लिए अपना प्राण न्यौछावर करने में भी अग्रणी रहा है। झुंझुनूं शहर के अधिकांश सड़कों का नामकरण राष्ट्र की सेवा करते-करते शहीद हुए वीर सपूतों के नाम पर यूं ही नहीं है। स्वागताध्यक्ष अधिवक्ता बजरंग लाल तुलस्यान ने कहा कि झुंझुनूं एकता, अखंडता और सार्वभौमिकता का परिचायक है। यहां की मिट्टी में ऐसी विशेषता है कि यहां के लोग हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे हैं। व्यवसाय-वाणिज्य, साहित्य-संस्कृति से लेकर पेशेवर क्षेत्रों में भी झुंझुनूं के लोगों ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय ख्याति अर्जित की है। इसी दिन धन-धान्य सभागार में सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी हुआ। जिसके मुख्य अतिथि उद्योगपति हरिमोहन बांगड़ व सजन भजनका थे। दोनों ने अपने संबोधन में झुंझुनूं प्रगति संघ, कोलकाता के पदाधिकारियों की दूरदर्शिता, सांगठनिक एकता तथा समरसततापूर्ण सोच की बड़ाई की और कहा कि अन्य संस्थाओं को भी इसका अनुकरण करना चाहिए। श्री भजनका ने यह भी कहा कि कोलकाता में मध्यम व निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए पारिवारिक - सामाजिक समारोहों के लिए आवासीय सुविधा सहित एक किफायती स्थान का उपलब्ध होना बड़ा महत्वपूर्ण निर्णय है। इस दिन कोलकाता और देश के प्रतिष्ठित झुंझुनूं प्रवासियों को झुंझुनूं गौरव सम्मान से विभूषित किया गया जिनमें प्रमुख थे - रमाकांत टिबड़ेवाल (मुंबई), डॉ दिलीप मोदी (झुंझुनूं), मनीष अग्रवाल (झुंझुनूं), ओमप्रकाश मोदी, रमेश जगनानी, सुधीर गाडिया, आनंद कायां, राजकुमार टिबड़ेवाल (सभी जयपुर), संदीप ढ़ेढ़िया, योगेश सिंघानिया (हैदराबाद), जगदीश प्रसाद मोदी (दिल्ली), केदारनाथ राणासरिया, बजरंग लाल तुलस्यान, व संदीप खंडेलिया (कोलकाता)। स्वर्गीय गिरध-ारीलाल जगतरामका, स्वर्गीय नंदलाल शाह, स्वर्गीय घनश्याम दास शाह को मरणोपरांत यह सम्मान दिया गया क्योंकि इनके अवदानों से ही भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई थी। वहीं, जयपुर से आए मशहूर गायक रवींद्र उपाध्याय ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। जिसे लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का संचालन महावीर रावत और सच्चिदानंद पारीख तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रमोद मोदी व संदीप खंडेलिया ने किया।

सीआईआई ईस्टर्न रीजन का तीसरा सीआईआई एजुकेशन ईस्ट समिट सम्पन्न

कोलकाता, समाज्ञा : शुक्रवार व शनिवार को सीआईआई ईस्टर्न रीजन ने कोलकाता में तीसरी बार सीआईआई एजुकेशन ईस्ट समिट 2024 का आयोजन किया। शिखर सम्मेलन को स्कूल और उच्च शिक्षा क्षेत्र के विभिन्न दिग्गजों ने संबोधित किया। शिक्षा क्षेत्र के विकास में एनईपी की भूमिका से लेकर प्रारंभिक बचपन की शिक्षा और कई अन्य विषयों पर पैनल चर्चा की गई। 100 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात पर बोलते हुए हेरिटेज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीईओ और सीआईआई शिक्षा समिति के मेंटर प्रदीप अग्रवाल ने एक पैनल चर्चा में कहा कि 2047 में एक विकसित राष्ट्र की स्थिति प्राप्त करने के लिए 100 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात आवश्यक है। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल सरकार, स्कूल शिक्षा विभाग, के प्रधान सचिव, बिनोद कुमार(आईएएस) , सीआईआई शिक्षा और कौशल विकास के सह-अध्यक्ष व जेआईएस समूह निदेशक सिमरप्रीत सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सीआईआई शिक्षा और कौशल विकास समिति (पूर्वी क्षेत्र) के अध्यक्ष उज्ज्वल चक्रवर्ती द्वारा किया गया। इसी तरह उद्योग, एआईसीटीई, एनसीईआरटी और कई अन्य विश-ेषज्ञों द्वारा संबोधित अधिक पैनल चर्चाएं और मास्टर कक्षाएं भी हुईं।

श्याम मेटलिक्स ने पश्चिम बंगाल में उत्पादन बढ़ाने के लिए उन्नत ब्लास्ट फर्नेस और सिंटर प्लांट किया शुरू

कोलकाता, समाज्ञा : श्याम मेटलिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड (एसएमईएल) ने आधिकारिक तौर पर एक नई ब्लास्ट फर्नेस चालू की है। इसके साथ ही, जामुरिया फैसिलिटी में एक सिंटर प्लांट लॉन्च किया है। 600 करोड़ रुपये के निवेश के साथ इस महत्वपूर्ण नए विकास का उद्देश्य विभिन्न उद्योगों में उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करना है। नवनिर्मित ब्लास्ट फर्नेस की क्षमता 0.77 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है, जिससे संयंत्र की उत्पादन क्षमता में काफी वृद्धि हुई है। 550 क्यूबिक मीटर की मात्रा वाली यह ब्लास्ट फर्नेस, स्टील बनाने की प्रक्रिया को अनुकूलित करने के लिए तीन शीर्ष-फायर स्टोव, आधुनिक कोयला धूल इंजेक्शन तकनीक और एक सूखी गैस सफाई संयंत्र से सुसज्जित है। इस वृद्धि से इस्पात उत्पादन में 0.77 एमटीपीए की वृद्धि और मार्जिन में लगभग रु. 700/एमटीपीए का सुधार होने का अनुमान है। इस महत्वपूर्ण विकास पर टिप्पणी करते हुए, श्याम मेटलिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, बृज भूषण अग्रवाल ने कहा, श्याम मेटलिक्स में, हमने हमेशा प्रभावी और निरंतर विकास योजनाओं के लिए प्रयास किया है। नई ब्लास्ट फर्नेस और सिंटर सुविधा से भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता में सुधार होगा। यह विकास क्षेत्र में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने और रोजगार के अवसर पैदा करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत क्षत्रिय समाज का छठव्रती सेवा शिविर बाबूघाट में हुआ संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : हर वर्ष की भांति भारत क्षत्रिय समाज द्वारा छठव्रती सेवा शिविर का उद्घाटन 7 नवंबर को बाबूघाट में संपन्न हुआ। इस सेवा शिविर का उद्घाटन मुख्य संरक्षक अरविंद सिंह, ट्रस्ट चेयरमैन राजगृही सिंह तथा दीप प्रज्ज्वलित उपरोक्त सहित वेद तिवारी, ट्रस्ट महासचिव कपिल देव सिंह, प्रीतम सिंह, उमेश सिंह, संजीत सिंह द्वारा किया गया। उपाध्यक्ष सुजीत सिंह और संयुक्त सचिव रविंद्र सिंह 'दीपक' द्वारा मंच का सफल संचालन किया गया। पार्षद सत्येंद्र सिंह, भाजपा नेता राहुल सिन्हा, कल्याण चौबे, राकेश सिंह, कुशल पांडेय, शिव सिंह, टीएमसी नेता संजीव सिंह, दारा सिंह, तारकेश्वर दुबे, जदयू नेता अनिल सिंह सहित कई राजनीतिक व शिव वर्मा, श्याम मलिक, राकेश सिंह राणा, बबलू शर्मा, दीनानाथ पांडेय, रितेश जायसवाल, नवीन राउत, धीमान दास, विक्की प्रसाद, मल्लिक समाज, पीआरसी एवं अभया क्लिनिक के सदस्यों सहित कई सामाजिक हस्तियां मौजूद रही। श्रद्धालुओं के सेवार्थ लगातार चाय, शुद्ध पेय जल तथा बायो टॉयलेट सहित एंबुलेंस एवं चिकित्सक सह मुफ्त औषधि का प्रबंध किया गया था। इस कार्यक्रम में मिलन सिंह, बी.पी. सिंह, दया सिंह, प्रदीप सिंह, संतोष सिंह, दिनेश सिंह, सुनील पप्पू सिंह, कन्हैया सिंह, परविंदर सिंह, सुशील सिंह, लल्लन सिंह, मनोज सिंह, मनदीप सिंह, पिंटू सिंह, विक्रम सिंह, विक्की सिंह, रवि सिंह, मनोज सिंह, अजय सिंह, संकल्प सिंह, उपस्थित रहे। अध्यक्ष रणधीर सिंह ने कहा कि आगे भी सेवा परमो धरम को मानते हुए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता रहेगा एवं संयोजक मनोज कुमार सिंह ने सभी साथियों से बढ़-चढ़ के हिस्सा लेने का आह्वान किया।

मेट्रो रेलवे महिला कल्याण संगठन ने हावड़ा मेट्रो स्टेशन पर किया वितरण कार्यक्रम

कोलकाता, समाज्ञा : मेट्रो रेलवे महिला कल्याण संगठन (एमआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) ने शनिवार को हावड़ा मेट्रो स्टेशन पर वंचित लोगों के बीच जरूरी सामानों का वितरण किया। इस पहल का नेतृत्व एमआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की अध्यक्ष पी. श्रीलता ने किया। इस कार्यक्रम में मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक पी. उदय कुमार रेड्डी एवं एन्य अधिरारी मौजूद रहे। इस मौके पर लगभग 75 वंचित पुरुष, वरिष्ठ नागरिकों सहित 85 महिलाएं और 25 बच्चों के बीच वितरण किया गया। उनके बीच साड़ियां, सैनिटरी नैपकिन, टी-शर्ट और आवश्यक भोजन के पैकेट बांटे गए। इस आयोजन का उद्देश्य सामुदायिक भावना को बढ़ावा देना और स्थानीय वंचित आबादी का समर्थन करना था। सार्थक बदलाव लाने के लिए मेट्रो अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने मिलकर काम किया। पी. श्रीलता ने हावड़ा रेलवे स्टेशन के अधिकारियों की टीम, स्थानीय गैर सरकारी संगठनों और मेट्रो रेलवे से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

दक्षिण पूर्व रेलवे में डिरेलमेंट के कारण कुछ ट्रेनों को किया गया डायवर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल में डिरेलमेंट के कारण कुछ ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। इसके तहत, 7 नवंबर को चलने वाली 12509 एसएमवीबी बेंगलुरु-गुवाहाटी एक्सप्रेस को खड़गपुर-भट्टानगर के बजाय खड़गपुर-मेदिनीपुर-आद्रा-आसनसोल- अंडाल-सैंथिया-रामपुरहाट-गुमानी-मालदह टाउन के रास्ते डायवर्ट किया गया। 22503 कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस को भद्रक- खड़गपुर-भट्टानगर के बजाय हिजली-नीमपुरा-मेदिनीपुर-आद्रा-आसनसोल-अंडाल-सैंथिया-रामपुरहाट-गुमानी-मालदह टाउन के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा। 12151 लोकमान्य तिलक-शालीमार एक्सप्रेस को आद्रा-मेदिनीपुर-खड़गपुर के बजाय चांडिल-जॉयचंडी पहाड़-आसनसोल-वर्दवान-भट्टानगर के रास्ते डायवर्ट किया गया। 12809 सीएसएमटी मुंबई-हावड़ा एक्सप्रेस एक्सप्रेस को आसनबोनी-खड़गपुर-हावड़ा के बजाय चांडिल-जॉयचंदी पहाड़-आसनसोल-खाना-वर्दवान-हावड़ा के रास्ते डायवर्ट किया गया। 18029 लोकमान्य तिलक-शालीमार एक्सप्रेस को चांडिल-जॉयचंडी पहाड़-आसनसोल-भट्टानगर के रास्ते डायवर्ट किया गया।

आधार हाउसिंग फाइनेंस की वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन, एयूएम में 21% की मजबूत बढ़त

कोलकाता, समाज्ञा : आधार हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड ने 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अपने अन-ऑडिटेड वित्तीय नतीजों की घोषणा की है। पहली छमाही में बेहतरीन प्रदर्शन के साथ, कंपनी इस वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तैयार है। प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) 30 सितंबर, 2024 तक 21% बढ़कर 22,817 करोड़ रुपये हो गई, जो 30 सितंबर 2023 तक 18,885 करोड़ रुपये थी। 30 सितंबर, 2024 तक ऋण खातों की कुल संख्या 2,77,000+ तक पहुंची। कर बाद लाभ वित्त वर्ष 24 की पहली छमाही के 344 करोड़ रुपये के मुकाबले 24% बढ़कर वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही में 428 करोड़ रुपये हुआ। कर बाद मुनाफा वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही के 197 करोड़ रुपये के मुकाबले सालाना 15% की वृद्धि के साथ 228 करोड़ रुपये हुआ। आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के एमडी और सीईओ ऋषि आनंदन ने कहा, हमने सभी मानकों पर स्थिर वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही का समापन किया है।

भारत सभा हॉल में आयोजित हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के मिलन उत्सव और सदस्यता सभा में उपस्थित पार्टी के पश्चिम बंगाल प्रदेश अध्यक्ष और अखिल भारतीय प्रवक्ता शताद्रु रॉय, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष पार्थ दे, महिला नेता परमिता मजूमदार और प्रदेश महासचिव लतीफ मंडल।

महाप्रबंधक ने ईस्ट-वेस्ट मेट्रो की बउबाजार साइट का किया निरीक्षण

कोलकाता, समाज्ञा : मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक पी. उदय कुमार रेड्डी ने शनिवार को ईस्ट-वेस्ट मेट्रो की बोबाजार साइट का निरीक्षण किया। स्थल पर पहुंचने के बाद महाप्रबंधक ने कोलकाता मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड(केएमआरसीएल) के अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्हें इस कॉरिडोर के सियालदह और एस्प्लेनेड के बीच काम की प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। बाद में, उन्होंने बउबाजार से एस्प्लेनेड तक सुरंग के अंदर पैदल निरीक्षण किया, जहां सभी संभावित सावधानियों के साथ सुरंग को मजबूत करने का काम चल रहा है। उन्होंने परियोजना के ड्राइंग विवरण का भी अध्ययन किया। उन्होंने कार्य की प्रगति देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और सभी संबंधितों को सियालदह और एस्प्लेनेड के बीच सुरंग बनाने के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिया ताकि हावड़ा मैदान-साल्ट लेक सेक्टर फाइव खंड पर सेवाएं शुरू की जा सकें। इस निरीक्षण के दौरान जीएम के साथ मेट्रो रेलवे और केएमआरसीएल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

कलकत्ता साड़ी डीलर्स एसोसिशन का दीपावली स्नेह मिलन समारोह धूमधाम से संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता साड़ी डीलर्स एसोसिशन का दीप-ावली स्नेह मिलन समारोह शनिवार को धूमधाम व भव्य रूप से संपन्न हुआ। संस्था द्वारा यह कार्यक्रम पीआरबी टावर में स्थित अपने नये ऑफिस में आयोजित किया गया, जिसमें भारी संख्या में एसोसिशन के सदस्यों समेत विभिन्न गण्यमान्य अतिथियों ने भाग लिया। इस मौके पर अध्यक्ष निर्मल सराफ, उपाध्यक्ष पवन मोदी, सचिव सुशील गोयल, सह सचिव संजय चोपड़ा, कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल, सीडब्ल्यूबीटीए के अध्यक्ष सुशील पोद्दार, कोट्टी के चेयरमैन महेंद्र जैन, सज्जन सराफ, लक्ष्मण अग्रवाल, साउथ कलकत्ता साड़ी डीलर्स एसोसिशन के मंत्री प्रदीप खेतान, एजेंट एसोसिशन के संजय अग्रवाल, मनोज पोद्दार समेत अन्य गण्यमान्य अतिथि मंच पर आसीन रहे। इसके साथ ही कार्यकारिणी सदस्यों में कैलाश बड़जात्या, विनोद कोचर, गोपाल कोठारी, विकास अग्रवाल, विष्णु सराफ, पवन अग्रवाल, अनिमेष सिंगरोदिया, भूपेश अग्रवाल, सत्यनारायण डिडवानिया, हिम्मत सिंह बरमेचा, कन्हैया लला कोठारी, अरविंद शाह, गोपाल जैन, पवन माधोगरिया, रमेश जैन, सुभाषचंद्र जैन, पुरुषोत्तम बाहेती समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अगले वर्ष संस्था का 50 वर्ष पूर्ण हो रहा है। इस स्वर्ण जयंती वर्ष को संस्था पूरे धूमधाम से मनाएगी और इसके लिए संस्था द्वारा पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जो कि अगले माह से आयोजत होंगे। इसके साथ ही संस्था में अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का भी लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही संस्था द्वारा अगले वर्ष आयोजित होने वाले फैशन एक्सपो-2025 की तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी।

गौरक्षा के लिए गौ सेवा बारहों महीने 365 दिन करने को संकल्पित हों : मालीराम शास्त्री

ममता के मन्दिर में गोपाष्टमी महोत्सव आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : अगर सही में हम चाहते हैं कि देश में हर गौ-माता सुरक्षित रहे तो हमें पूरी ईमानदारी से बारहों महीने और साल के 365 दिन नित्य नियम से गौ-माता की सेवा को संकल्पबद्ध होना होगा। केवल गोपाष्टमी के दिन औपचारिकता के लिए गो-सेवा से हमारे उद्देश्य की पूर्ति कतई संभव नहीं है। यह उद्गार गौ-भक्त पंडित मालीराम शास्त्री ने शनिवार को गोपाष्टमी के पावन अवसर पर उपेक्षित बुजुर्गों के लिए राजारहाट के पाथेरघाटा में संस्थापित 'ममता का मंदिर' में स्थित 'गोपाल गौशाला' में गोपूजन-वंदन करते हुए व्यक्त किए। मालीराम शास्त्री ने 'जब गाय नहीं होगी गोपाल कहां होंगे, हम सब इस दुनिया में खुशहाल कहां होंगे' जैसे भजन के माध्यम से कहा कि हम अगर गोपाल को पाना चाहते हैं तो गाय की सेवा करनी होगी क्योंकि गाय गोपाल की परम आराध्या है अर्थात जहां गाय वहां गोविंद।

शास्त्री जी ने यह भी कहा कि अगर जीवन को सदा सुखी समृद्ध रखना है तो गौ-सेवा इसका सर्वश्रेष्ठ साधन है। शास्त्री जी के सुपुत्र व युवा आध्यात्मिक प्रवक्ता संदीप ने इस आयोजन का संयोजन किया। गौ-माता की सामूहिक आरती के पश्चात 'जय गोमाता जय गोपाल' से पूरा वाता-वरण गूंज उठा।

पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष सीमा देउस्कर, सचिव संगीता भाटिया और कार्यकारी सदस्यों ने शनिवार को कोलकाता के चेतला स्थित नवानिर नामक वृद्धाश्रम में वृद्ध नागरिकों के साथ समय बिताते हुए उनसे बातचीत की। इसके साथ ही वृद्ध नागरिकों को उपहार एवं अन्य आवश्यक सामानों का वितरण किया।

फिजुल खर्च के बजाय बंधन म्यूचुअल फंड का वित्तीय विकल्प चुनें

कोलकाता, समाज्ञा : बंधन म्यूचुअल फंड ने अपने नए वीडियो कैम्पेन के साथ त्यौहारी सीजन में खर्च करने के बारे में एक नया दृष्टिकोण पेश किया है, जो उपभोक्ताओं को जोश में आकर अनाप-शनाप खरीदारी से बचते हुए जिम्मेदार ढंग से वित्तीय योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। जहां कई ब्रांड त्यौहारी सीजन का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं बंधन म्यूचुअल फंड एक अलग रास्ता अपनाता है, जो त्यौहार के बाद के माहौल को लक्षित करता है - जब उपभोक्ता अक्सर त्यौहारी दिनों के दौरान सेल्स के दौरान की गई खरीदारी पर सोच-विचार करते हैं। बंधन एएमसी के सीईओ विशाल कपूर ने कहा कि त्योहारों के मौसम में अक्सर कंज्यूमरिज्म की लहर आती है, जहां सेल्स और डिस्काउंट के साथ कई चीजें बेहद 'जरूरी' या 'आवश्यक' जैसी लगती हैं। इस अभियान के माध्यम से, हमारा उद्देश्य उपभोक्ताओं को तत्काल संतुष्टि से परे सोचने और अपने वित्तीय विकल्पों के प्रभाव पर विचार करने के लिए प्रेरित करना है। 'इनवेस्ट करोते रहे.बढ़ते रहो' का संदेश, बंधन म्यूचुअल फंड के निरंतर विकास और सीखने की मूल सोच के अनुरूप है। हमारा मानना है कि जिम्मेदार वित्तीय आदतें व्यक्तियों को संतुष्ट जीवन जीने के लिए सशक्त बना सकती हैं। वीडियो में उन उत्पादों को हास्यपूर्ण तरीके से दर्शाया गया है, जिन्हें लोग त्योहारी बिक्री के दौरान आवेगपूर्ण तरीके से खरीद लेते हैं - जो अक्सर बिना उपयोग के पड़ी रह जाती हैं और उनको भुला दिया जाता है। धूल भरी एक्सरसाइज साइकिल से लेकर साइड में रखे गैर-जरूरी एयर फ्रायर तक, ये उत्पाद सीधे अपने मालिकों से बात करते हैं, उन्हें खरीदारी के दौरान किए गए वादों की याद दिलाते हैं, लेकिन जल्दी ही भूल जाते हैं। यह हल्का-फुल्का चुटकुला एक बड़े संदेश की ओर ले जाता है: दर्शकों को लॉन्गटर्म ग्रोथ क्षमता के लिए म्यूचुअल फंड जैसी किसी वास्तव में मूल्यवान चीज़ में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना।

रिसड़ा जगद्धात्री पूजा का गाइड मैप हुआ जारी, आज से शुरू होगी जगद्धात्री पूजा

☛ 14 को होगा कार्निवल विसर्जन

हुगली, समाज्ञा : हुगली जिले में रिसड़ा में आयोजित होने वाली विश्व विख्यात जगद्धात्री पूजा का रूट मैप शनिवार को जारी कर दिया गया है। रिसड़ा थाना प्रभारी संजय सरकार के नेतृत्व में रिसड़ा थाना प्रांगण में गाइड मैप उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर पहुंचे श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी ने गाइड मैप का विधिवत उद्घाटन किया। इसके बाद, चित्रांकन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी, विधायक डॉ सुदीप्तो राय, रिसड़ा नगरपालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा, वाईस चेयरमैन जाहिद हसन खान, डीसीपी श्रीरामपुर जोन अर्णव विश्वास, एसीपी शुभंकर विश्वास, रिसड़ा सीआई प्रबीर दत्त, श्रीरामपुर टीआई राजेश मंडल समेत तमाम प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। डीसीपी अर्णव विश्वास ने बताया कि 10 नवंबर से विश्व में दूसरा स्थान प्राप्त रिसड़ा जगद्धात्री पूजा की शुरुआत हो जाएगी। चंदननगर के बाद रिसड़ा में आयोजित होने वाली जगद्धात्री पूजा को विश्व में दूसरा स्थान प्राप्त है। इस बार रिसड़ा में कुल 117 पूजा का आयोजन हुआ है। जिसमे से 101 पूजा कमेटियों को अनुमति प्रदान की गई है। इस बार पुलिस के तरफ से क्यूआर कोड जारी किया गया है। जिसे स्कैन करने से ही गाइड मैप एप मिल जायेगा। जिसके जरिए

गाइड मैप की पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। 39 पुलिस असिस्टेंस बूथ पर क्यूआर कोड प्राप्त होगा। रिसड़ा में 6.25 स्कायर किलोमीटर दायरे में जगद्धात्री पूजा का आयोजन हुआ है। कहा कि चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट के 7 थाना क्षेत्र में कुल 900 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिसका उद्घाटन चंदननगर गाइड मैप के दौरान डीजी राजीव कुमार ने किया था। इसके अलावा पूजा कमेटियों को भी अपने-अपने पूजा मंडप के आस-पास सीसीटीवी लगाने के लिए निर्देशिका जारी की गई थी। रिसड़ा में अपराह्न 3 बजे से नो एंट्री शुरू होगी और भीड़ नहीं कमने तक नो एंट्री जारी रहेगी। महिला सुरक्षा की विशेष व्यवस्था रहेगी। प्रत्येक थाने में 5 लेडी कांस्टेबल के अलावा पिंक मोबाइल वैन और विनर टीम महिला सुरक्षा की कमान संभालेंगी। सुबह शाम सभी सार्वजनिक स्थलों पर काले लिबास में विनर टीम महिला सुरक्षा के लिए तैनात रहेगी। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए ट्रामा एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, मेडिकल असिस्टेंस बूथ की व्यवस्था रहेगी। यात्रियों की सुविधार्थ व इलाके को गंदगी एवं प्रदूषण मुक्त रखने के लिए बायो टॉयलेट, सफाई कर्मियों की व्यवस्था की गई है। अपराध पर नकेल कसने के लिए हरेक मोड़ पर लाइट की व्यवस्था की गई है ताकि अंधेरे का फायदा उठाकर बदमाश अपराधमूलक घटना को अंजाम न दे सके। विसर्जन के दौरान शोभायात्रा निकालने वाले पूजा कमिटियों को क्रमसंख्या दी गई है। महिला सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता होगी। इसके लिए सादे लिबास में पूजा मंडपों के आस-पास महिला पुरुष पुलिस को तैनात किया जाएगा। साथ ही रिसड़ा नगरपालिका की ओर से बायो टॉयलेट लगाये जाएंगे। बच्चों और वृद्ध के लिए चाइल्ड कार्ड भी जारी किए जायेंगे। रेलवे गेट पर भी सुरक्षा का घेरा रहेगा, जिसकी कमान आरपीएफ और जीआरपी के जवान संभालेंगे।

जगद्धात्री पूजा के अवसर पर रोशनी से जगमगाया चंदननगर

इको पार्क में नामी ब्रांड के नाम पर नकली पानी का कारोबार, एक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : एक मशहूर पानी कंपनी का नकली ब्रांड बनाकर बोतलबंद पानी बेचने का आरोप लगा है। घटना में पुलिस ने हथियारा पुरपोखरा से एक पानी कारोबारी को गिरफ्तार किया है।कारोबारी को इको पार्क थाने की पुलिस ने बीती रात गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के मुताबिक कारोबारी एक नामी कंपनी के बैंड की नकल कर पानी का कारोबार चला रहा था।इस बीच, इकोपार्क थाने की पुलिस ने वाटर प्लांट की तलाशी ली और कई पानी के जार बरामद किए, एक कार जब्त की और पानी कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया।

साइकिल से घर लौट रही सिविक वॉलंटियर को डंपर ने कुचला

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के शिवपुर थानांतर्गत फोरशोर रोड पर एक मर्मांतक सड़क दुर्घटना में सिविक वालंटियर की मौत हो गई। मृत सिविक वॉलंटियर का नाम रुमकि हाजरा बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, मुताबिक, रुमकी हाजरा अपनी साइकिल से घर लौट रही थी। फोरशोर रोड के 4 लाइन इलाके पर एक डंपर ने सिविक वालंटियर की साइकिल को टक्कर मार दी। रुमकी साइकिल से गिर पड़ी और डंपर उसे कुचलता हुआ चला गया। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

मां को फोन करने के बाद छात्रा का शव कालना के रेलवे लाइन के किनारे मिला

पूर्व बर्दवान : जिले के कालना थाना के धात्रीग्राम, दासपाड़ा के रहनेवाली 12वीं कक्षा की छात्रा का रेलवे लाइन के किनारे रक्तरंजित शव मिलने से सनसनी फैल गयी। अपने घर से ट्यूशन पढ़ने के लिए निकली छात्रा अंगना हलदार उर्फ पिउ (18) ने कालना रेलवे स्टेशन के बाहर से अंतिम बार अपनी मां को फोन कर कहा था कि वो लोग मुझे जीने नहीं देंगे। ऐसा दावा उसकी मां कर रही है। उसके बाद कालना स्टेशन से कुछ दूर रेलवे लाइन के किनारे छात्रा का लहूलुहान शव पाया गया। इस बाबत शनिवार को मृत छात्रा के परिजनों की शिकायत पर कालना जीआरपी थाने में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है। कालना जीआरपी की पुलिस मामले की गहन पड़ताल में जुट गयी है।

शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के वास्ते कालना महकमा अस्पताल भेज दिया गया है।इस बाबत पूछने पर कालना के विधायक देवीप्रसाद बाग ने कहा कि जब तक पुलिस मामले की जांच नहीं कर लेती, कुछ भी कहना मुनासिब नहीं है। इधर, स्कूली छात्रा की रहस्यमय मौत की घटना के बाद इलाके के लोगों में भी घोर आक्रोश देखा जा रहा है। बताया गया है कि शुक्रवार की शाम ट्यूशन से घर लौटते समय कालना में पटरी से उस छात्रा का शव बरामद किया गया। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि उसे ट्रेन से ढकेल कर गिरा दिया गया। लेकिन यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ऐसा किसने और क्यों किया। शुक्रवार रात उसका शव कालना स्टेशन से कुछ दूर पटरी पर पड़ा मिला। शव को बरामद कर कालना जीआरपी मामले की जांच में लग गयी है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग को बेचने का आरोप, छह आरोपियो को आजीवन कारावास

☛ पीड़िता को तीन लाख का मुआवजा

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के के हल्दिया में एक नाबालिग लड़की की तस्करी के बहुचर्चित मामले में छह लोगों को दोषी करार देते हुए अदालत ने कठोर सजा सुनाई है। हल्दिया थाना अंतर्गत इस मामले का खुलासा 26 अक्टूबर 2017 को हुआ था, जिसमें 16 साल की एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर दिल्ली होते हुए आगरा ले जाया गया और उसे एक वेश्यालय में बेच दिया गया था। इस जघन्य अपराध के सिलसिले में हल्दिया में पॉक्सो अधिनियम के तहत विशेष अदालत में सुनवाई हुई, जिसमें सात आरोपितों के खिलाफ आरोप तय किए गए थे। मामले में विशेष लोक अभियोजक श्रीदेब रंजन बनर्जी ने

पीड़िता की ओर से पैरवी की। सीआईडी ने शनिवार को बताया कि लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, अदालत ने आठ नवंबर 2024 को इस मामले में छह आरोपितों को दोषी ठहराया और उनके लिए कठोर सजा का ऐलान किया, जबकि एक आरोपित को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया। अदालत ने मुख्य आरोपित शहजमल मोल्ला को उम्रकैद की सजा सुनाई, जिसमें वह जीवनभर जेल में रहेगा। इसके अलावा, शालू सिंह को 20 साल का कठोर कारावास दिया गया। इसी मामले में अन्य दोषियों प्रवीण कुमार उर्फ रिंकू, मनीषा, मैरी और शहनाज़ बेगम उर्फ इंदु को 12-12 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। अदालत ने पीड़िता के साथ हुए अमानवीय कृत्य और उसके भविष्य पर असर को देखते हुए उसे मुआवजे के रूप में तीन लाख रुपये देने का आदेश भी दिया है। इस फैसले के बाद पश्चिम बंगाल सीआईडी की ओर से शनिवार को बयान जारी कर बताया गया कि इस तरह की सख्त सजा से समाज में मानव तस्करी जैसी घटनाओं पर रोकथाम लगेगी और न्यायिक प्रक्रिया पर आम जन का भरोसा मजबूत होगा। यह मामला हल्दिया थाना कांड संख्या 109/2017 के तहत दर्ज किया गया था, जिसमें आईपीसी की विभिन्न धाराओं, पोक्सो अधिनियम और आईटीपीए के प्रावधान शामिल थे।

बी आर सिंह अस्पताल में मनाया गया राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस

कोलकाता, समाज्ञा : बी.आर.सिंह अस्पताल के ओपीडी कॉम्प्लेक्स में शनिवार को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया गया। इस मौके पर सीएस-आई/बी डॉ शुभंकर होम, सीएमएस/सियालदह डॉ. कल्पना मंडल और वरिष्ठ आईआरएचएस डॉक्टर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एच एंड एफडब्ल्यू विभाग/सियालदह द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में एसीएमएस डॉ. मंदिरा बनर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि कैंसर का निदान सड़क का अंत नहीं है, बल्कि एक लड़ाई की शुरुआत है। सीएमएस/सियालदह डॉ. कल्पना मंडल ने सीए ब्रेस्ट, सीए कोलन, सीए सर्विक्स आदि जैसे सामान्य कैंसरों के स्क्रीनिंग परीक्षणों और प्रारंभिक चेतावनी संकेतों और लक्षणों के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. देबाशीष बंद्योपाध्याय एसीएचडी/आईसी/बाल रोग विशेषज्ञ ने बचपन के कैंसर, उनके उपचार के बारे में चर्चा की। डॉ दीपांजन प्रधान, सीनियर डीएमओ/सर्जरी और आईसी/ऑन्कोलॉजी ने स्क्रीनिंग और निदान पर जोर दिया और कैंसर के कलंक को दूर करने के लिए एक संदेश फैलाया। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि बायोप्सी का मतलब कैंसर नहीं है, यह विभिन्न नैदानिक इकाई की पुष्टि के लिए एक ऊतक निदान है। पैरामेडिक्स, अस्पताल के कर्मचारियों और बड़ी संख्या में रेलवे लाभार्थियों की उपस्थिति में कार्यक्रम एक बड़ी सफलता मिली।

कैनिंग के लॉज में महिला की हत्या, डॉक्टर के चैंबर में शव छोड़कर प्रेमी हुआ फरार

कोलकाता, समाज्ञा : विवाहेत्तर संबंध फिर मौत की वजह बनी। लॉज में ले जाकर महिला की हत्या करने का आरोप लगा। आरोपी ने घटना को छुपाने के लिए शव को स्थानीय डॉक्टर के चैंबर में छोड़ दिया। पता चला है कि मृतक का आरोपी के साथ विवाहेतर संबंध था। शुक्रवार की दोपहर कैनिंग की घटना को लेकर इलाके में तीव्र उत्तेजना फैल गई । आरोपी फरार है।शव बरामद करने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मृतक युवती का नाम अमीना मोल्ला है। वह कैनिंग के डांडिया पंचायत के गोबरामारी इलाके की रहने वाली है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, युवती का अपने पड़ोसी मोहसिन मोल्ला के साथ विवाहेतर संबंध था। शुक्रवार को दोनों एक आवासीय लॉज में गए। वहां अमीना बीमार पड़ गई। लॉज सूत्रों के मुताबिक, आरोपी मोहसिन ने स्टाफ से संपर्क किया और अमीना को डॉक्टर के पास ले जाने में मदद मांगी। स्थानीय डॉक्टर के चैंबर में ले जाने पर डॉक्टर ने अमीना को मृत घोषित कर दिया।आरोप है कि इसके बाद आरोपी शव को वहीं छोड़कर भाग गया। खबर कैनिंग थाने की पुलिस तक गई। पुलिस ने शव को बरामद कर लिया और कैनिंग सब-डिविजनल अस्पताल ले गई। वहां जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत की वजह को लेकर रहस्य गहरा गया है। सवाल यह है कि क्या होटल में युवती का गला घोंटा गया या उसे प्रताड़ित किया गया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। परिवार ने मृतक के शरीर से आभूषण चोरी होने का भी आरोप लगाया है। साथ ही लॉज के मालिक पर देह व्यापार चलाने का भी आरोप लगाया गया है।

कलकता पिंजरापोल सोसाइटी के एतिहासिक गोपाष्टमी मेला में उमड़ा गौभक्तों का सैलाब

कोलकाता, समाज्ञा : कलकता पिंजरापोल सोसाइटी जिस समर्पण भाव से गौ-सेवा और संरक्षण के कार्य में जुटी है, अगर उसे पूरे समाज का उदारमना साथ मिले तो वो दिन दूर नहीं होगा जब हर गौ-माता सुरक्षित और संरक्षित हो जाएगी। इसलिए आज गोपाष्टमी के पुनीत पावन दिवस पर हमें स्वयं और अपने से जुड़े हर व्यक्ति को गौ-सेवा के प्रति संकल्पित करना चाहिए।' ये उद्गार आज देश की 140 साल से गौ-सेवा को समर्पित संस्था कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के ऐतिहासिक गोपाष्टमी मेला-2024 के अवसर पर सोदपुर और लिलुआ गौधाम पधारे गणमान्य अतिथियों ने व्यक्त किए । सभी आगंतुक अतिथियों ने कहा कि अगर हम सही मायने में गौ-रक्षा चाहते हैं तो इसके लिए हम सब को एक जुट होकर नित्य-नियम से गो सेवा में तन-मन-धन से लगना होगा। आज सुबह 7 बजे से कोलकाता, हावड़ा, हुगली सहित आस-पास के विभिन्न इलाकों में सोसाइटी द्वारा स्थापित 125 गौ-पूजन केन्द्रों में गौ-माता की पूजा-वंदना, आरती के ,साथ शुरू हुए गोपाष्टमी मेला में सपरिवार, इष्ट-मित्रों सहित हजारों लोगों ने शिरकत की। सोसाइटी के परंपरागत 140 वें मेले का आयोजन सोदपुर गौधाम और लिलुआ गौधाम में बड़े ही धूम धाम से आयोजित हुआ। सोदपुर में आयोजित मेले में सर्वप्रथम एक नई हाइड्रोलिक गौ एंबुलेंस का उद्घाटन इसके प्रदाता सेंचुरी प्लाईवुड्स के प्रतिनिधि श्री राजेश जी अग्रवाल के करकमलों से किया गया। गोसभा का शुभारंभ मंचासिन अतिथियों द्वारा दीपप्रज्वलन एवं सुरेंद्र चमडिया तथा राजकमल बांगड़ द्वारा प्रस्तुत गो-वंदना से किया गया। मंच पर उद्घाटनकर्ता ट्रस्टी श्री सुरेश मनकसिया, प्रधान अतिथि श्री दीपक अग्रवाल (शाकम्बरी ग्रुप), सम्माननिया ट्रस्टी सर्वश्री सजन कुमार बंसल, विश्वनाथ सेक्सरिया, पुरुषोत्तम परसरामपुरिया, विशिष्ट अतिथिगण सर्वश्री राजेश अग्रवाल,अनिल सरावगी, मुर-ारीलाल खेतान, महामंत्री पवन टिबडेवाला, बिनोद केडिया, कल्याणी शाखा सचिव सुरेंद्र प्रसाद पटवारी, सोदपुर सचिव गौरीशंकर कालुका, स्थानीय पार्षद तापस दे, मेला संयोजक देवकीनंदन तोदी तथा मीडिया प्रभारी सुरेंद्र चमड़िया मौजूद रहे। आमंत्रित अतिथिगणों में प्रमुख रूप से हेमचंद अग्रवाल, रामस्वरूप अग्रवाल, आदि मौजूद रहे। सोसाइटी के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार सरावगी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि गोवंश की रक्षा हमारा नैतिक दायित्व है और इसका निर्वाह हमें पूरी ईमानदारी से करना चाहिए। महामंत्री श्री पवन कुमार टिबड़ेवाला ने सोसाइटी के 140 वर्षों के गौरवशाली इतिहास पर संक्षिप्त

प्रकाश डालते हुए कहा कि सोसाइटी द्वारा गौमाता की सेवा का यह अनवरत महायज्ञ समाज के उदारमना दान-दाताओं के मुक्तहस्त सहयोग से ही लगातार चल रहा है एवं विश्वास प्रकट किया कि आगे भी और बेहतर रूप से चलता रहेगा। उन्होंने अनेक भावी योजनाओं के बारे में अवगत कराया। ट्रस्टी श्री सजन कुमार बंसल , श्री दीपक अग्रवाल, ने लोगो को गौसेवा के लिए उत्साहित किया। पार्षद श्री तापस दे ने गो विकास के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया तथा सोसाइटी के गौसेवा कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। इस बार सोदपुर मेले में पूरे गौधाम की विशेष सजावट तथा गौभक्तों के खान पान आदि की सुव्यवस्था श्री श्याम मंडल(नूतन बाजार) के अनन्य श्यामभक्त श्री बिनोद जी कैलाश जी सुल्तानिया के मार्गदर्शन में किया गया जिससे मेले की भव्यता नए रूप में निखर कर गौभक्तों के सामने आई। सभा के शेष चरण में मेला संयोजक देवकीनंदन तोदी ने सभी उपस्थित गौभक्तों को धन्यवाद ज्ञापन दिया। सभा का मंत्रमुग्ध कुशल संचालन श्री प्रकाश चंडालिया ने किया। सभा के बाद सुसज्जित मंच पर श्री विनोद कैलाश सुल्तानिया के नेतृत्व में भजन प्रवाहक मोनू सुल्तानिया के साथ श्री श्याम मंडल (नूतन बाजार) द्वारा अद्भुद श्रृंगार के साथ गो-भजन संध्या एवं गो-महिमा का भावपूर्ण, कर्णप्रिय तथा मनलुभावन भजनों के साथ गुणगान किया, जिसमें सभी उपस्थित गोभक्त भाव-विभोर हो कर नाच उठे। सोदपुर में एक नए गौपूजन स्थल का उद्घाटन प्रदाता गोभक्त श्री राधेश्याम बुधिया द्वारा किया गया जबकि प्रधान अतिथि श्री दीपक अग्रवाल ने इस अवसर पर प्रकाशित गौ - संवाद स्मारिका का विमोचन किया व श्री अग्रवाल और ट्रस्टी श्री विश्वनाथ सेकसरिया ने नंदीशाला में 1-1 शेड के निर्माण हेतु सहयोग की घोषणा की । सबसे लोकप्रिय एवं मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा तुलादान स्थल का, जिसका आयोजन अजय शाह के नेतृत्व में सुदेश अग्रवाल, निर्मल सुनील अग्रवाल, सुनील शाह, मनोज परसरामपुरिया, सुनील खेतान, विजय निगनिया, दीपक अग्रवाल, द्वारिका प्रसाद अग्रवाल, अजीत सरावगी, संदीप तुलसियान, कमल केडिया, राजेश सरावगी, सत्येन्द्र अग्रवाल, हरिराम सराफ, सुशील कालूका,महेंद्र परसरामक, महेश भुवालका, श्याम बांगड, ज्ञानधारी परसरामका, हर्षवर्धन डागा आदि के विशेष योगदान से सफलता पूर्वक किया गया। मुख्य केंद्र प्रभारी राजकमल बांगड, बिमल मल्लावत, मनोज लुहारीवाल, कमल गुप्ता, सुशील चौधरी के अलावा बस प्रभारी सुनील खेतान, संजय झुनझ-ुनवाला, दीपक अग्रवाल, सुशील कालुका, महाबीर बजाज आदि का सोदपुर के इस गोपाष्टमी आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। मीडिया प्रभारी सुरेंद्र चमड़िया ने बताया कि महानगर में जगह जगह आयोजित पूजन 125 केन्द्रों से जन-साधारण को गोपाष्टमी पर गोपूजन में हजारों गौभक्तों को काफी सुविधा हुई है और जनमानस ने सोसाइटी के इस प्रयास को काफी सराहा है। उन्होंने बताया कि इस बार के पूरे महोत्सव की विशेष बात यह रही कि गौपूजन केंद्रों तथा सभी गौधामों में उपस्थित लोगों में गोभक्त परिवारों से युवाओं, बच्चों तथा महिलाओं की संख्या अधिकाधिक रही। महानगर के विभिन्न स्थानों से सोदपुर मेले में गोभक्तों, विशेष कर बूढ़े, बच्चे तथा महिलाओं को आने-जाने के लिए सुनील खेतान के नेतृत्व में 13 निः शुल्क लग्जरी बसों भी व्यवस्था की गई थी , जिसका प्रत्यक्ष रूप से लगभग 700 गौभक्तों ने सोदपुर पहुंच कर लाभ लिया। दूसरी ओर, हावड़ा के लिलुआ गौधाम में भी गोपाष्टमी मेला का उत्साह चरम सीमा पर रहा। प्रधान अतिथि श्री मनोज बेसवाल के साथ ही अनेक गणमान्य लोगों ने मेला में उपस्थित होकर गौ-पूजन कर गौमाता का शुभाशीष प्राप्त किया। यहाँ पर दोपहर में श्री बालाजी सत्संग समिति द्वारा गौश्रवण हेतु सामूहिक संगीतमय सुन्दरकांड पाठ का आयोजन पाठ वाचक श्री नन्दू पेड़ीवाल एवं सहयोगियों द्वारा किया गया। पाठ के बाद मध्य भजनों की प्रस्तुति ममता चांडक,दिव्यांशी तथा रिद्धिमा शारदा द्वारा की गई एवं इन्होंने अपने सुरीले कंठ से गौ-माताओं व उपस्थित श्रद्धालुओं को धन्य किया। यहाँ पर मुख्य आकर्षण के रूप में एक गौ-माता के पूरे बदन पर मेहंदी से विशेष रूप से सांस्कृतिक सजावट कर 5100 दीपकों से सामूहिक आरती की गई। इसके अलावा शाम को विशेष गंगा आरती की तर्ज़ पर नृत्य-नाटिका के साथ प्रस्तुत करते हुए निर्मल गंगा चेतना मंच ने सभी गौ-भक्तों को मंत्रमुग्ध कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। यहां गोमाता के लिए छप्पन भोग खिलाने की भी व्यवस्था की गई, जिसे भक्तों से बहुत सराहा। पूरे मेला की सफलता में राजू मित्तल, दीपक कानोडिया, दीपक मुरारका, कमल गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह, अनिल जैन, संदीप कानोडिया, कपिल जोशी, अनिल सराफ, दिलीप सिंघानिया, कमल मोहता, संजय गुप्ता, मनीष जगनानी, शरद मातङ्गीय, प्रदीप जयदेवका, विनीत अग्रवाल, प्रिंस अग्रवाल, शिव कल्याणी एवं अनेकानेक गोभक्त कार्यकर्ताओं का सराहनीय सहयोग रहा। दोनों ही स्थानों पर गौभक्तों ने गो-परिक्रमा, गौ-पूजन व तुलादान के साथ-साथ चटपटे सुस्वादु व्यंजन, गोगव्य उत्पादकों के स्टॉल, झूले , गोमाता के साथ सेल्फी प्वाइंट, गेम जोन आदि का उत्साह के साथ भरपूर लाभ उठाया। सोदपुर की कामधेनु गौधाम में भी सचिव संदीप तुलस्यान तथा सत्येन्द्र अग्रवाल के सहयोग से सुंदर सजावट के साथ शांत एवं गौ भक्तिमय परिवेश में गौपूजन, गोदर्शन, गो-आलिंगन, भजन संकीर्तन, गोमाता के लिए विशेष आहार स्वरूप छप्पन भोग, गो आहार हेतु विशेष पौष्टिक लड्डू, बैलगाड़ी की सवारी, गो-ग्राम कुटीर, गौ उत्पादकों का विक्रय केंद्र आदि की व्यवस्था कर इस गोपाष्टमी महोत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाया। अन्य कई गौभक्तों के साथ विशेष रूप से ट्रस्टी श्री सजन कुमार बंसल से सपरिवार उपस्थित होकर यहां कामधेनु गौधाम में गोमाता की पूजन अर्चना की। साल्टलेक के आईबी पार्क में विशेष रूप से गोपाष्टमी महोत्सव मनाया गया। इस आयोजन स्थल में प्रातः 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक असंख्य गौभक्तों, बच्चों तथा महिलाओं का गोदर्शन हेतु तांता लगा रहा। मेले में भव्य रूप से सजी हुई अनेक गोमताएं एवं तरह तरह के मनोरंजन एवं चटपटे खानपान के स्टॉल, सेल्फी पॉइंट्स, गेम स्टॉल आदि मुख्य आकर्षण के केंद्र रहे। केंद्र प्रभारी नितिन सिंघी, अनुराग गुप्ता एवं अन्य सहयोगियों ने बढ़ चढ़ कर इस मेले को विशेष रूप देकर सार्थक बनाया। अंततः कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी द्वारा आयोजित 140वाँ गोपाष्टमी मेला अब तक के हुए मेलों में एक ऐतिहासिक मेले केवरूप में उभर कर आया तथा लोगों को गौसेवा के प्रति आकर्षित करने में सफलता मिली।

दि कलकत्ता इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन ने किया दीपावली प्रीति सम्मेलन 2024 का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : दि कलकत्ता इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन (सीटा) ने अपने सदस्यों के लिए सिंधी पैलेस में दीपावली प्रीति सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एचपीएल इलेक्ट्रिक एंड पावर लिमिटेड के जेएमडी और सीएफओ गौतम सेठ और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर नंदिता डागा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गौतम सेठ एवं सीटा के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, सचिव जितेंद्र सुराना, उपाध्यक्ष पुलकित चांदगोठिया और कोषाध्यक्ष अमित झुनझुनवाला के द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ। इस अवसर पर आशीष अग्रवाल और सुशील पोद्दार ने गौतम सेठ को शॉल एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। जितेंद्र सुराणा ने नंदिता दगा (सेलिब्रिटी इनफ्लुएंसर) को मोमेंटो एवं टोकन ऑफ लव प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सीडबल्यूबीटीए के अध्यक्ष सुशील पोद्दार, सचिव सीके वर्धराजन, सीएआईटी के अध्यक्ष कुमार अजमेरा, सीईडीए के सचिव अभिषेक वर्मा, सीएमडीए के अध्यक्ष

विनोद कुंडलिया, सचिव अमिताभ दस्सानी, शैनेडर के जॉय मुखर्जी और सोकोमेक के राणा मित्रा, जीगो के सुशील हिरावत आदि महानुभाव उपस्थित रहे। इसके बाद संगीतमय अंताक्षरी और लकी ड्रॉ का आयोजन किया गया। जिसमें सदस्यों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और मनोरंजन का भरपूर आनंद लिया। सभी सदस्यों और अतिथियों ने कार्यक्रम एवं स्वादिष्ट भोजन की सराहना की। विशेष योगदान के रूप में आरजी सेलुलर के रवि गुप्ता द्वारा प्रथम 100 आने वाले सदस्यों को उपहार प्रदान किया गया। स्टार इलेक्ट्रिक के संजीव पगारिया ने भी कुछ पुरस्कार प्रायोजित किए। इस कार्यक्रम में सीटा के पूर्व अध्यक्ष पदम रायजादा, मदन मोहन भट्टर, ओ.पी चाडक, सुनील राठी, रतन डागा, एस.एल. लोढ़ा, विजय सुर-ाणा, कमल चांदगोठिया, जी.डी बागड़ी, डॉ मुकेश सिन्हा, उमाकांत अग्रवाल आदि की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया। इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय मुख्य रूप से सामाजिक समिति के संयोजक कुशल तोदी और उनकी समिति के सदस्यों को विशेष रूप से गौतम बेगानी और अशोक बंका को जाता है। दीप-ावली प्रीति सम्मेलन 2024 ने आपसी मेल मिलाप व भाईचारे का अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अरविंद डागा, मिनेश ठकरार, धीरज सिंधी, मेहुल मेघानी और विनीत भाटिया ने किया।

न्यूज इन ब्रीफ

बिहार में चाचा-भतीजे की गोली मारकर हत्या

मुजफ्फरपुर (बिहार) : बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में कुछ अज्ञात लोगों ने 18 वर्षीय युवक और उसके 14 वर्षीय भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम जिले के पारू इलाके में हुई। मृतकों की पहचान राजू दास (18) और उसके 14 वर्षीय भतीजे सूरज कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वे छठ पर्व मनाने के लिए जिले के पारू थाना क्षेत्र के मोजामा गांव स्थित अपने घर आए थे। दास बेंगलुरु से और कुमार दिल्ली से आया था। तिरहुत डिवीजन के पुलिस उप महानिरीक्षक बाबू राम ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा,शुक्रवार शाम को दास और उसका 14 वर्षीय भतीजा किसी का फोन आने के बाद उससे मिलने गया था। उनके परिवार के सदस्यों के अनुसार वे देर रात तक घर नहीं लौटे।

मतदान कक्ष के बाहर भी कैमरों के जरिये रखी जाएगी नजर

जयपुर : राजस्थान में विधानसभा की सात सीट पर होने वाले उपचुनाव में मतदान कक्षों के बाहर भी कैमरों से नजर रखी जाएगी और सीधा प्रसारण कर मतदाताओं की कतार आदि का प्रबंधन किया जाएगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी। अधिकारी ने बताया कि राजस्थान निर्वाचन आयोग विधानसभा उपचुनाव के दौरान सात विधानसभा क्षेत्रों में निष्पक्ष, निर्भीक एवं पारदर्शी चुनाव के लिए वेबकास्ट प्रक्रिया का और विस्तार करेगा। उन्होंने बताया कि मतदान कक्ष से मतदान प्रक्रिया की सीसीटीवी फुटेज के साथ ही कक्ष के बाहर से भी सीधा प्रसारण कर मतदाताओं की कतार और कानून-व्यवस्था का प्रबंधन किया जाएगा।

सूचना

इस संस्करण के दिनांक 9.11.2024 को पृष्ठ 8 पर भूलवश पत्रिका का नाम गलत प्रकाशित हो गया है उसे **समाज्ञा** पढ़ा जाय। गलत प्रकाशित होने के लिए खेद है। -सम्पादक

योगी का अखिलेश पर तंज, 'बबुआ अभी बालिग नहीं हुआ हैं'

अलीगढ़/कानपुर/मैनपुरी : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि बबुआ अभी बालिग नहीं हुआ है। आदित्यनाथ ने प्रदेश विधानसभा की नौ सीट पर उपचुनाव के लिए प्रचार करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के पक्ष में रैलियों को संबोधित किया। आदित्यनाथ ने खैर से सुरेंद्र दिलेर, सीसामऊ से सुरेश अवस्थी और करहल से अनुजेश यादव के

लिए प्रचार किया। योगी ने करहल में एक रैली को संबोधित करते हुए अखिलेश पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कुछ लोगों की प्रवृत्ति होती है, जो जिंदगी भर उनके साथ जुड़ जाती है। बबुआ (अखिलेश यादव) अभी बालिग नहीं हुआ है इसलिए कभी-कभी ऐसा काम कर देता है, जिससे मैनपुरी वालों के सामने भी संकट खड़ा हो जाता है।

सिर्फ कपड़ों से कोई योगी नहीं बनता: अखिलेश यादव

लखनऊ : समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि कोई व्यक्ति वस्त्र से नहीं बल्कि अपने वचन से योगी होता है। नोटबंदी के दौरान जन्म लेने वाले बच्चे 'खजांची' के जन्मदिन पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिये बगैर यह टिप्पणी की। यादव ने कार्यक्रम में कहा, जो लोग मुठभेड़ करते हैं, उनका काउंटडाउन (उल्टी गिनती) शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, अब वे उतने दिन सरकार में नहीं रहेंगे, जितने दिन वे (सरकार में) रहे हैं। इसलिए आप देखेंगे कि उनकी भाषा बदल गई है, उनके सोचने और समझने का तरीका भी बदल गया है। सच तो यह है कि 'मन की कुटिलता ही वचन की कटुता बन रही है'। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जो व्यक्ति किसी को अपने से बड़ा नहीं समझता, वह कैसा योगी है? अगर कोई है जो संतों को आपस में लड़ा रहा है, तो वह सरकार में बैठे लोग हैं।

राजनाथ ने जाति जनगणना के वादे को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा, कहा- गुमराह करती है कांग्रेस

रांची : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कांग्रेस के सत्ता में आने पर जाति जनगणना कराने का वादा करने के लिए राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और उनकी पार्टी पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। सिंह ने आश्चर्य जताया कि जब देश में सबसे पुरानी पार्टी की सरकार थी तो उसने यह कवायद क्यों नहीं की। झारखंड के खूंटी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार के संरक्षण में बांग्लादेश से घुसपैठ के कारण राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर हो गई है। सिंह ने कहा, 'वर्ष 2011 में एक सामाजिक-आर्थिक जाति आधारित जनगणना आयोजित की गई थी जिसमें लगभग 46 लाख जातियां, उपजातियां और गोत्र पाए गए थे। ये संख्या इतनी बड़ी थी कि उस वक्त ये रिपोर्ट सार्वजनिक भी नहीं की गई। सामाजिक कल्याण मंत्रालय के अनुसार, लगभग 1200 अनुसूचित जाति (एससी), 750 से अधिक अनुसूचित जनजाति (एसटी) और लगभग 2,500 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) थे।'

ट्रेन की शंटिंग के वक्त बफर के बीच फंसने से रेलवे कर्मचारी की मौत

बेगूसराय (बिहार) : बिहार के बेगूसराय जिले के बरौनी जंक्शन स्टेशन पर शनिवार को ट्रेन की शंटिंग की कवायद के दौरान इंजन और एक कोच के बफर के बीच फंस जाने से एक रेलवे कर्मचारी की मौत हो गई। अधिकरियों ने यह जानकारी दी। बफर, ट्रेन के इंजन और कोच के दोनों सिरों पर लगा एक उपकरण है जो झटके से बचाता है। बफर को बोगियों के बीच टकराव के प्रभाव को कम करने के लिए तैयार किया जाता है। पूर्व मध्य रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह की प्रणाली के लिए तय दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया गया होगा जिसके कारण यह 'दुर्भाग्यपूर्ण घटना' हुई और जांच के आदेश दे दिए गए हैं। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिले के रहने वाले अमर कुमार (25) के

रूप में की गई है। कुमार के परिवार ने आरोप लगाया कि रेलवे कर्मचारियों की लापरवाही के कारण उनकी मौत हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना उस वक्त हुई जब प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर लखनऊ-बरौनी एक्सप्रेस की शंटिंग चल रही थी। इंजन और एक कोच के बफर के बीच फंसने से कुमार की मौत हो गई। बफर के बीच फंसे हुए व्यक्ति का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मृतक के परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और कहा कि वे अधिकारियों को तब तक पोस्टमार्टम नहीं करने देंगे जब तक कि दोषी रेलवे कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती। सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विवेक भूषण सूद के मौके पर पहुंचने और आक्रोशित परिजनों को समझाने के बाद मामला शांत हुआ।

अयोध्या में कड़ी सुरक्षा के बीच चौदह कोसी परिक्रमा शुरू

अयोध्या : उत्तर प्रदेश के अयोध्या में सरयू नदी में स्नान करने के बाद शनिवार शाम को कड़ी सुरक्षा के बीच लाखों श्रद्धालुओं ने परिक्रमा शुरू की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह परिक्रमा रविवार देर शाम तक पूरी होगी। अधिकारियों ने बताया कि चौदह कोसी परिक्रमा के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं। परिक्रमा तय समय पर शनिवार शाम करीब साढ़े छह बजे शुरू हुई और श्रद्धालु अयोध्या की करीब 50 किलोमीटर की परिधि में पैदल चलकर यह चौदह कोसी परिक्रमा पूरी करेंगे। श्रद्धालुओं के साथ-साथ प्रयागराज, हरिद्वार, मथुरा, काशी और विभिन्न धार्मिक स्थलों से बडी संख्या में साधु भी अयोध्या में परिक्रमा कर रहे हैं। अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राज करन नैय्यर ने बताया कि परिक्रमा की सुरक्षा के लिए नगर पुलिस के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की त्वरित कार्रवाई बल को भी तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि परिक्रमा क्षेत्र में सभी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के लिए करीब दो सौ स्थानों पर 'क्लोज सर्किट' टीवी कैमरे लगाए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि पूरे परिक्रमा क्षेत्र को पांच जोन और 12 सेक्टर में बांटा गया है, जिसकी निगरानी पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारी करेंगे और दो मुख्य सुरक्षा जोन के लिए अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के वरिष्ठ अधिकारी तैनात किए गए हैं।

महाकुम्भ के दौरान तैनात किये जाएंगे 10,000 सफाईकर्मी

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अगले वर्ष जनवरी में आयोजित होने वाले महाकुम्भ मेले में हर जगह स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए मेला प्रशासन ने लगभग 10,000 सफाईकर्मियों की तैनाती की है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। महाकुम्भ मेले की विशेष कार्याधिकारी आकांक्षा राणा ने बताया कि स्वच्छ कुम्भ कोष के माध्यम से इन सफाईकर्मियों के रहने, खाने-पीने और बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ मेले को स्वच्छता बनाने में सफाईकर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान है। राणा ने बताया कि ये सफाईकर्मी दिन रात अपने काम में लगे हैं और इन सफाईकर्मियों के लिए एक 'सैनिटेशन' कॉलोनी बनाई गई है, जहां इनके खाने-पीने और रहने की पूरी व्यवस्था निःशुल्क की गई है।

न्यूज अपडेट

हेमंत सोरेन सरकार ने घुसपैठियों के लिए लाल कालीन बिछायी है : अमित शाह

रांची : झारखंड में हेमंत सोरेन नीत सरकार पर बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए लाल कालीन बिछाने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनते ही ऐसी ताकतों को खदेड़ दिया जाएगा। शाह ने कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर यह झूठ फैलाने का भी आरोप लगाया कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) आदिवासियों के अधिकार छीन लेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखेगी। उन्होंने पूर्व सिंहभूम के पोटका में एक चुनावी रैली में कहा, 'झामुमो नीत गठबंधन ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए लाल कालीन बिछायी है जो झारखंड में बस गए और उन्होंने आदिवासियों की जमीन, युवाओं का रोजगार हड़प लिया तथा राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। भाजपा की सरकार बनने दीजिए। उन्हें खदेड दिया जाएगा और सीमा पार से एक परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा।'

महिला, युवा के समर्थन से राजद के 'एमवाई' का मुकाबला करेंगे: चिराग

तरारी (बिहार) : केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को दावा किया कि उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) बिहार में महिलाओं और युवाओं के समर्थन से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मजबूत वोट बैंक 'एमवाई' (मुस्लिम और यादव) का मुकाबला करेगी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सहयोगी चिराग पासवान तरारी विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री एवं जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार सहित अन्य नेताओं की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार विशाल प्रशांत के लिए आयोजित की गई एक रैली से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। चिराग ने भी इस रैली को संबोधित किया। पासवान ने कहा, 'मैं युवा नेता विशाल प्रशांत की उम्मीदवारी से खुश हूं। मेरी पार्टी ने लोकसभा चुनावों में पांच सीट पर चुनाव लड़ा था और सभी पर जीत हासिल की थी। हमारे चार उम्मीदवार युवा थे।'

छठ पर लहंगा नहीं दिलवाने को लेकर नाबालिग लड़की ने आत्महत्या की

बलिया : उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में छठ पर परिजनों द्वारा लहंगा नहीं दिलवाये जाने के कारण एक नाबालिग लड़की ने कथित तौर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार को सुखपुरा थाना क्षेत्र के भलुही गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, नीलम (13) का शव घर में फंदे से लटका हुआ मिला। सुखपुरा के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) योगेंद्र सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि नीलम कई दिनों से अपनी मां से लहंगा दिलवाने की जिद कर रही थी।

समाज्ञा स्पोर्ट्स

नीरज ने चेक गणराज्य के दिग्गज ज़ेलेज़नी को अपना कोच नियुक्त किया

नयी दिल्ली : भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अगले सत्र की शुरुआत से पहले शनिवार को तीन बार के ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक जान ज़ेलेज़नी को अपना कोच नियुक्त किया। चेक गणराज्य के 58 वर्षीय ज़ेलेज़नी को आधुनिक युग का सबसे महान भाला फेंक खिलाड़ी माना जाता है। उन्होंने अपने शानदार करियर में तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक (1992, 1996, 2000) और इतने ही विश्व खिताब (1993, 1995, 2001) जीते। ज़ेलेज़नी के नाम इस स्पर्धा में 98.48 मीटर का विश्व रिकॉर्ड भी दर्ज है। चोपड़ा ने हाल तक जर्मन बायोमैकेनिक्स विशेषज्ञ क्लॉस बार्टोनिट्ज़ के साथ काम किया, जो उनके कोच की भूमिका भी निभा रहे थे। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा ने कहा कि वह अपने शुरुआती दिनों से ज़ेलेज़नी के बहुत बड़े प्रशंसक थे और अपने कौशल को निखारने के लिए उनके वीडियो देखते थे। चोपड़ा ने कहा, 'मैं शुरू से ही जान की तकनीक और सटीकता का प्रशंसक रहा हूं। मैंने उनके वीडियो देखने में बहुत समय बिताया। वह इतने वर्षों तक इस खेल के शिखर पर रहे। मेरे लिए उनका साथ बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि हम दोनों की भाला फेंकने की शैली एक जैसी है तथा उनके पास अपार अनुभव है।' उन्होंने कहा, 'जब मैं अपने करियर में अगले चरण की ओर बढ़ रहा हूं तो जान का मेरे साथ होना सम्मान की बात है। मैं उनके साथ काम करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं।' चोपड़ा अभी तक 90 मीटर तक भाला नहीं फेंक पाए हैं लेकिन वह यह आंकड़ा हासिल करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं जिसमें ज़ेलेज़नी का अनुभव काम आ सकता है। ज़ेलेज़नी ने चोपड़ा का कोच नियुक्त किए जाने पर ख़ुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह शुरू से ही भारतीय स्टार को कोचिंग देने के लिए उत्सुक थे क्योंकि उनमें अभी भी काफी संभावनाएं हैं। ज़ेलेज़नी ने एक बयान में कहा,'मैंने कई वर्ष पहले कह दिया था कि नीरज में महान खिलाड़ी बनने के सभी गुण हैं। मैंने यह भी कहा था कि अगर मुझे चेक गणराज्य के बाहर किसी खिलाड़ी को कोचिंग देनी हो तो मेरी पहली पसंद नीरज होगा। मुझे उनमें बड़ी संभावनाएं दिखती हैं, क्योंकि वह युवा हैं और सुधार करने में सक्षम हैं।'

भारतीय निशानेबाजों ने विश्व यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में तीन पदक जीते

नयी दिल्ली : भारत के आकाश भारद्वाज और पलक ने विश्व यूनिवर्सिटी निशानेबाजी चैम्पियनशिप के पहले दिन पुरूषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीते। अर्शदीप कौर ने कर्णी सिंह रेंज पर चल रही चैम्पियनशिप में रजत पदक हासिल किया। आकाश ने क्वालीफिकेशन दौर में 579 स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल किया था। चेक गणराज्य के पावेल एस 586 स्कोर करके शीर्ष रहे थे। फाइनल में आकाश एक अंक से पावेल से पीछे रह गए। महिला वर्ग में भारत की संयम, अर्शदीप और पलक तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंची थी। फाइनल में चीनी ताइपे की लियू हेंग यू ने स्वर्ण पदक जीता जो पलक से दशमलव के बाद तीन अंक से आगे रही। अर्शदीप को कांस्य पदक मिला।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम, विजय अभियान जारी रखने उतरेगा भारत

गकेबरहा: संजू सैमसन अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे लेकिन भारत को अगर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके अपना विजय अभियान जारी रखना है तो उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। सैमसन ने डरबन में खेले गए पहले मैच में 50 गेंद पर 107 रन की शानदार पारी खेली थी जिससे भारत ने यह मैच 61 रन से जीता। भारत के अन्य बल्लेबाज हालांकि पर्याप्त योगदान नहीं दे पाए थे जो टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा कई मौके मिलने के बावजूद उनका फायदा नहीं उठा पाए जो टीम प्रबंधन के लिए बड़ी चिंता है। वह इस साल के शुरू में जिंबॉब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बाद रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भारत की अंतिम एकादश में बदलाव की संभावना नहीं है लेकिन टीम प्रबंधन अभिषेक के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव को देखकर निराश होगा। विशेषकर तब जबकि वह रोहित शर्मा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद इस छोटे प्रारूप में सलामी बल्लेबाज के

अन्य विकल्पों की तलाश कर रहा है। तिलक वर्मा ने 18 गेंद पर 33 रन की तूफानी पारी खेली लेकिन उन्हें इस तरह की शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की जरूरत है। भारतीय मध्य क्रम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है और अगर वर्मा को अपनी जगह पक्की करनी है तो उन्हें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी पहले मैच में अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी उम्मीद पर खरे नहीं उतरे। भारतीय मध्यक्रम कागजों पर मजबूत नजर आता है लेकिन पहले मैच में वे साझेदारी निभाने के लिए संघर्ष करते हुए नजर आए। भारत ने 36 रन के अंदर छह विकेट गवाएं जिससे एक समय बेहद मजबूत स्थिति में होने के बावजूद वह आठ विकेट पर 202 रन तक ही पहुंच पाया। इससे भारत के मध्य और निचले क्रम की कमजोरी भी उजागर हुई। भारत को दूसरे मैच में इस क्षेत्र में सुधार करना होगा। भारत के गेंदबाजों ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया तथा दक्षिण अफ्रीका को पहले मैच में 17.5 ओवर में 141 रन पर आउट कर दिया। वरुण चक्रवर्ती ने तीन विकेट लेकर अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा जबकि उनके स्पिन जोड़ीदार रवि बिश्नोई ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आवेश खान ने भी अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो वह इस साल जून में भारत के हाथों टी20 विश्व कप के फाइनल में मिली हार का बदला चुकता करने में असफल रहा। उसे अपने कई सीनियर खिलाड़ियों की कमी खल रही है। दक्षिण अफ्रीका को अगर भारत का विजय अभियान रोकना है तो उसके युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अनुरूप प्रदर्शन करना होगा। टीम इस प्रकार हैं: भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार विशक। आवेश खान, यश दयाल. दक्षिण अफ्रीका: एडेन मारक्रम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्ज़ी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, पैट्रिक क्रुगर, केशव महाराज, डेविड मिलर, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकेलटन, एंडिले सिमलेन, ट्रिस्टन स्टब्स।

मौजूदा फॉर्म पर कोहली की समीक्षा नहीं करें, आस्ट्रेलिया दौरा सब बदल सकता है : पोंटिंग

दुबई : आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली का आकलन मौजूदा फॉर्म के आधार पर नहीं होना चाहिये क्योंकि वह पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला में दमदार वापसी कर सकते हैं। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच यह श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। भारतीय टीम को हाल ही में न्यूजीलैंड ने तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 3-0 से हराया। कोहली छह पारियों में 93 रन ही बना सके। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग ने आईसीसी से कहा, 'मैं विराट के बारे में पहले भी बोल चुका हूं। आप महान खिलाड़ियों पर ऊंगली नहीं उठा सकते। इसमें कोई शक नहीं कि वह महान क्रिकेटर है।' उन्होंने कहा, 'उसे आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना पसंद है। आस्ट्रेलिया में उसका रिकॉर्ड भी बेहतरीन है। वह इस श्रृंखला में सब कुछ बदल सकता है। अगर विराट पहले ही मैच से रन बनाने लगे तो मुझे हैरानी नहीं होगी।' विराट ने इस साल की शुरूआत से छह टेस्ट में 22.72 की औसत से रन बनाये हैं जो 2011 में पदार्पण के बाद से उनका न्यूनतम औसत है। वह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भी दस साल में पहली बार शीर्ष 20 से बाहर हो गए हैं। पोंटिंग ने कहा, 'मैंने विराट के बारे में एक आंकड़ा पढ़ा। इसमें कहा गया कि पिछले पाच साल में उसने सिर्फ दो (तीन) टेस्ट शतक लगाये। यह सही नहीं लगता लेकिन अगर है तो चिंता की बात है। दुनिया में शीर्ष स्तर का कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ऐसा नहीं होगा जिसने पांच साल में दो ही टेस्ट शतक लगाये हों।' न्यूजीलैंड से मिली हार के बारे में उन्होंने कहा कि स्पिनरों को खेलने में भारतीय बल्लेबाज कमजोर साबित हुए हैं।

पंकज आडवाणी ने रिकॉर्ड 28वां विश्व बिलियर्ड्स खिताब जीता

नयी दिल्ली : भारत के अनुभवी क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने ऐतिहासिक 28वां विश्व खिताब जीत लिया जब उन्होंने दोहा में आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप में इंग्लैंड के रॉबर्ट हाल को 4-2 से हराया। आडवाणी ने पहला विश्व खिताब 2016 में जीता था। कोरोना महामारी के दौरान 2020 और 2021 में विश्व चैम्पियनशिप नहीं हुई। उन्होंने 151-94, 151-0, 150-84, 74-151, 6-154, 152-46 से जीत दर्ज की। जीत के बाद उन्होंने कहा, 'विश्व बिलियर्ड्स खिताब बार बार जीतकर अच्छा लगता है। यह मुकाबला हालांकि आसान नहीं था। प्रतिस्पर्धा काफी कठिन थी।'

रणजी ग्रुप डी : चंडीगढ़ ने दिल्ली को नौ विकेट से हराया

चंडीगढ़ : सलामी बल्लेबाज शिवम भांबरी ने टर्निंग विकेट पर स्पिन आक्रमण की धज्जियां उड़ाई जिसके दम पर चंडीगढ़ ने सात बार की चैम्पियन दिल्ली को रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी के मैच में नौ विकेट से हरा दिया। चंडीगढ़ अब ग्रुप डी में चार मैचों में 19 अंक लेकर शीर्ष पर है। वहीं दिल्ली चार मैचों में 11 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। दिल्ली को अब झारखंड, सौराष्ट्र और रेलवे से अगले तीन मैच खेलने हैं। चंडीगढ़ ने स्पिनर निशुंक बिड़ला ने इस पिच पर 12 विकेट लिये लेकिन दिल्ली के स्पिनर शिवांक वशिष्ठ, सुमित माथुर और रितिक शोकीन प्रभाव नहीं छोड़ पाये। चंडीगढ़ ने 203 रन का लक्ष्य 40 . 2 ओवर में हासिल कर लिया। भांबरी ने पहली पारी में 80 रन बनाने के बाद 130 गेंद में नाबाद 100 रन बनाये। उन्होंने पहले विकेट के लिये अर्सलान खान (81 गेंद में 68 रन) के साथ 130 रन जोड़े। अन्य मैचों में रांची में झारखंड और सौराष्ट्र के बीच मैच ड्रॉ रहा। सौराष्ट्र ने पहली पारी में बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किये। झारखंड के 306 रन के जवाब में सौराष्ट्र ने 386 रन बनाये थे। झारखंड के दूसरी पारी में 283 रन थे और 204 रन के लक्ष्य के जवाब में सौराष्ट्र ने एक विकेट पर 69 रन बना लिये थे। रायपुर में रेलवे और छत्तीसगढ़ का मैच ड्रॉ रहा। छत्तीसगढ़ को पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक मिले। वहीं गुवाहाटी में तमिलनाडु और असम के बीच ड्रॉ रहे मैच में असम ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किये।

पीसीबी ने नया मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया

लाहौर : सीनियर ब्यूरोक्रेट सैयद समीर अहमद को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का नया परिचालन अधिकारी नियुक्त किया गया है। लाहौर के उप आयुक्त अहमद अब सलमान नसीर की जगह लेंगे। पीसीबी के गर्वनर बोर्ड ने शनिवार को उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी। पंजाब के पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री रहे पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी द्वारा अपने समय के कुछ और ब्यूरोक्रेट्स की नियुक्ति किये जाने की संभावना है।

वर्ष 9, पूर्णांक 4054 अंक 204, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in

न्यूज इन ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर : सोपोर में हुए मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में बारामूला जिले के सोपोर इलाके में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कश्मीर संभाग की पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''बारामूला के रामपोरा सोपोर इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने पर कार्रवाई करते हुए पुलिस और सुरक्षा बलों ने संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया गया। तलाशी अभियान के दौरान, गोलीबारी हुई।'' पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ की विस्तृत जानकारी का इंतजार है। हालांकि, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए बताया कि मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी मारा गया है। उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादी और उसके संगठन का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

मुंबई हवाई अड्डा पर 14.9 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त; दो यात्री गिरफ्तार

मुंबई : सीमा शुल्क अधिकारियों ने यहां छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर दो यात्रियों से 14.9 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, अधिकारियों ने शुक्रवार को बैंकॉक से आए दो यात्रियों को रोका और 14.9 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया। अधिकारी ने बताया कि दोनों यात्रियों ने अपने सामान में 14 पैकेट में मादक पदार्थ को छिपा कर रखा था। यात्रियों को स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि वे किसे प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने जा रहे थे।

नौसेना चार दिसंबर को पुरी में अपनी समुद्री क्षमताओं का प्रदर्शन करेगी

नयी दिल्ली : भारतीय नौसेना चार दिसंबर को नौसेना दिवस के मौके पर ओडिशा में पुरी के 'ब्लू फ्लैग' समुद्र तट पर अपनी दुर्जेय समुद्री क्षमताओं और परिचालन शक्ति का प्रदर्शन करेगी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। नौसेना के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनने के लिए सहमति दे दी है। इस कार्यक्रम में नौसेना की बहुमुखी क्षमताओं को प्रदर्शित किया जाता है और नागरिकों में समुद्री जागरूकता बढ़ाई जाती है। बयान में कहा गया है कि 2024 का 'ऑपरेशनल डेमोंस्ट्रेशन' या 'ऑप डेमो' 'ब्लू फ्लैग बीच' की पृष्ठभूमि में आयोजित किया जायेगा, जो भारतीय नौसेना और ओडिशा राज्य की समुद्री विरासत के बीच संबंध का प्रतीक है। पुरी को कुछ साल पहले 'ब्लू फ्लैग बीच' प्रमाणन मिला था। 'ब्लू फ्लैग' एक पारिस्थितिकी पर्यटन मॉडल को दर्शाता है। 'ब्लू फ्लैग' प्रमाणन पाने के लिए समुद्र तटों को कई मानदंडों को पूरा करना होता है। इन मानदंडों में पर्यावरण प्रबंधन, जल गुणवत्ता, सुरक्षा और सार्वजनिक पर्यावरण शिक्षा शामिल हैं।

गाजा में इजराइली हमलों में 16 लोगों की मौत

दीर अल-बला (गाजा पट्टी) : गाजा में शनिवार को तीन अलग-अलग स्थानों पर इजराइली हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। फलस्तीन के चिकित्सा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस बीच, इजराइल ने भुखमरी से जूझ रहे उत्तरी गाजा में कई हफ्तों में पहली बार मानवीय सहायता पहुंचाए जाने की घोषणा की। गाजा में हमास आतंकवादियों और लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ इजराइल के हमले लगातार जारी हैं।

इजराइल की सेना ने कहा कि उसने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में रात भर कमान केंद्रों और चरमपंथियों के अन्य बुनियादी ढांचे पर हमला किया। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि एक हमला गाजा के पूर्वी तुफा इलाके में शरणार्थी स्थल के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे एक स्कूल पर हुआ, जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए।

कांग्रेस शासित राज्य पार्टी के 'शाही परिवार' के लिए एटीएम बन गए हैं : प्रधानमंत्री मोदी

अकोला : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि जिस किसी राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है, वह (राज्य) पार्टी के 'शाही परिवार' के लिए एटीएम बन जाता है। मोदी ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के सिलसिले में अकोला में एक चुनाव प्रचार रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''हम महाराष्ट्र को कांग्रेस का एटीएम नहीं बनने देंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए इतना भ्रष्टाचार करती है, तो व्यक्ति कल्पना कर सकता है कि सत्ता में आने के बाद यह पार्टी कितनी भ्रष्ट होगी। उन्होंने कहा, ''जिस किसी राज्य में कांग्रेस सरकार बनाती है, वह राज्य पार्टी के 'शाही परिवार' के लिए एटीएम बन जाता है। महाराष्ट्र चुनाव के लिए (कांग्रेस शासित) कर्नाटक में शराब कारोबार से 700 करोड़ रुपये तक की उगाही की गई है। तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश भी इस शाही परिवार के एटीएम बन गए हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि महायुति (महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन) का घोषणापत्र महिला सुरक्षा, रोजगार के अवसर, लाडकी बहिन योजना के विस्तार पर केंद्रित है, जबकि कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की राकांपा वाला (गठबंधन) महा विकास आघाड़ी 'घोटाला पत्र' लेकर सामने आया है। उन्होंने कहा, ''पूरा देश जानता है कि एमवीए का तात्पर्य भ्रष्टाचार, टोकन मनी और तबादला-पदस्थापन कारोबार है।'' कांग्रेस पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस के शाही परिवार को चुनौती दे रहे हैं कि वह साबित करें कि उन्होंने कभी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के पंचतीर्थ की यात्रा की है। मोदी ने आंबेडकर के जन्म स्थान महू, ब्रिटेन में अध्ययन के दौरान लंदन में उनके निवास, नागपुर में उनके बौद्ध धर्म अपनाने से संबंधित दीक्षा भूमि, दिल्ली में उनके 'महापरिनिर्वाण स्थल' और मुंबई में 'चैत्य भूमि' को दर्शाने के लिए 'पंचतीर्थ' शब्द का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, वे बाबासाहब से इसलिए नफरत करते हैं क्योंकि वह दलित थे और उन्हें संविधान बनाने का श्रेय मिला था।

भाजपा समाज में विभाजन पैदा करती है: तेजस्वी

गढ़वा/रांची : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) धर्म के नाम पर समाज में विभाजन पैदा करती है और इस बार विधानसभा चुनाव में उसे झारखंड से बाहर कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि झारखंड की महिलाओं, युवा, किसान, छात्र, कर्मचारी, व्यवसायी समेत सभी वर्गों ने सभी के हित में हेमंत सरकार को फिर लाने का संकल्प लिया है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने 'इंडिया' गठबंधन उम्मीदवारों के समर्थन में गढ़वा, पलामू और कोडरमा जिलों में कई जनसभाएं कीं। उन्होंने कहा, ''भाजपा समाज में विभाजन पैदा करती है। जाति और धर्म से ऊपर उठकर मतदाताओं को एकजुट होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवार विजयी हों, ताकि झारखंड में फिर से हेमंत सोरेन की सरकार बन सके।''

आरपीएफ ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत 435 बच्चों को बचाया

जबलपुर, समाज्ञा : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), पश्चिम मध्य रेल ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में खोए हुए और असहाय बच्चों की सुरक्षा और उनके परिवारों से मिलाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान आरपीएफ की सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाता है और बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत उठाये जा रहे कदम :-* बच्चों की सुरक्षा: वर्ष 2024 (माह अक्टूबर तक) में अब तक 435 से अधिक बच्चों को रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में सुरक्षित बचाया। इन बच्चों में से अधिकांश खो गए थे या उनके परिवारों से अलग हो गए थे।* परिवारों से मिलाया: सभी बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया। आरपीएफ ने बच्चों के परिवारों को ढूंढने के लिए विशेष प्रयास किए और उन्हें सुरक्षित घर वापस पहुंचाया।* जागरूकता अभियान: आरपीएफ ने बच्चों की सुरक्षा के बारे में जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान में लोगों को बच्चों की सुरक्षा के महत्व के बारे में बताया गया और उन्हें अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए जागरूक किया गया। आरपीएफ का ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते बच्चों की सुरक्षा और उनके परिवारों से मिलाने में महत्वपूर्ण सामाजिक भूमिका निभा रहा है। आरपीएफ इस अभियान को और भी विस्तारित करने के लिए प्रतिबद्ध है और बच्चों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार, 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रही

नयी दिल्ली : दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार शाम को मामूली सुधार के बावजूद 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गयी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 358 से सुधरकर शाम छह बजे 351 हो गया। सीपीसीबी के ऐप 'समीर' से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार बवाना और न्यू मोती बाग केंद्रों पर एक्यूआई क्रमशः 405 और 408 के साथ 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। एक्यूआई 0-50 के बीच 'अच्छा', 51-100 को 'संतोषजनक', 101-200 को 'मध्यम', 201-300 को 'खराब', 301-400 को 'बहुत खराब' और 401-500 को 'गंभीर' माना जाता है। दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान मौसम के औसत से चार डिग्री अधिक 18.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आर्द्रता का स्तर 78 प्रतिशत से 98 प्रतिशत के बीच रहा। मौसम विभाग ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में मध्यम कोहरा रहने तथा अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमश: 32 और 18 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है।

मंत्रिमंडल जल्द ही एमएसएमई के लिए 100 करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना पर फैसला करेगा: सीतारमण

बेंगलुरु : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए इस साल बजट में घोषित 100 करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना को जल्द ही मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा। एमएसएमई के लिए बजट में की गई पांच घोषणाओं को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, ''एमएसएमई की मदद के लिए विशेष ऋण गारंटी कोष की शुरूआत संकट के समय में बहुत मददगार होगी...।'' केंद्रीय वित्त मंत्री ने यहां राष्ट्रीय एमएसएमई क्लस्टर संपर्क कार्यक्रम' में कहा, ''100 करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना जल्द ही मंत्रिमंडल के समक्ष रखी जाएगी। कैबिनेट से मंजूरी मिलने के तुरंत बाद एमएसएमई मंत्रालय और बैंकों के माध्यम से गारंटी प्रदान करने वाली योजना को लागू किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''बहुत लंबे समय से यह शिकायत रही है कि एमएसएमई को बैंकों से कार्यशील पूंजी तो मिल जाती है, लेकिन उन्हें सावधि अवधि के लिए, संयंत्र और मशीनरी के लिए ऋण नहीं मिलता। अब इस योजना के तहत गारंटी दी जाएगी।'' सीतारमण ने कहा कि किसी तीसरे पक्ष की गारंटी की कोई आवश्यकता नहीं है, ''सरकार आपको 100 करोड़ रुपये की गारंटी शक्ति देती है, फिर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एक नया क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल विकसित करेंगे।'' एमएसएमई क्षेत्र में योगदान के लिए कर्नाटक की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में 35 लाख एमएसएमई हैं और वे 1.65 करोड़ रोजगार प्रदान करते हैं।

न्यूज अपडेट

67वें ग्रैमी पुरस्कार के लिए नामित किए गए रिकी केज और अनुष्का शंकर

लॉस एंजिलिस : ग्रैमी पुरस्कार के 67वें संस्करण में भारतीय-अमेरिकी संगीतकार रिकी केज और अनुष्का शंकर को नामित गया है। रिकॉर्डिंग एकेडमी ने शुक्रवार को बताया कि तीन बार ग्रैमी पुरस्कार जीत चुके केज को ''ब्रेक ऑफ डॉन'' के लिए बेस्ट न्यू एज, एम्बिएंट या चैंट एल्बम श्रेणी में चौथी बार नामित किया गया है। इस श्रेणी में राधिका वेकारिया की 'वॉरियर्स ऑफ लाइट' और उद्यमी एवं संगीतकार चंद्रिका टंडन की 'त्रिवेणी' को भी नामित किया गया है। बांसुरी वादक वाउटर केलरमैन और सेलो वादक इरु मात्सुमोतो के सहयोग से 'त्रिवेणी' को तैयार किया गया था। अनुष्का शंकर को गायक और गीतकार जैकब कोलियर के गाने 'ए रॉक समव्हेयर' में प्रमुख भूमिका के लिए भी अतिरिक्त नामांकन मिला है। इस गाने में गायिका वरीजाश्री वेणुगोपाल भी शामिल हैं। इस पुरस्कार में वह पहली बार नामित हुई हैं।

पाकिस्तान झूठ फैलाने से बाज आए, इससे तथ्य नहीं बदलेंगे : भारत

संयुक्त राष्ट्र : संयुक्त राष्ट्र में शांति रक्षा अभियानों पर बहस के दौरान पाकिस्तान द्वारा जम्मू कश्मीर का जिक्र किए जाने पर भारत ने पड़ोसी देश पर ''झूठ'' फैलाने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना की। राज्यसभा सदस्य और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, ''भारत ने पाकिस्तान द्वारा की गईं टिप्पणियों पर जवाब देने के अपने अधिकार को चुना है, जिसने एक बार फिर इस प्रतिष्ठित निकाय को अपने एजेंडे से भटकाने का प्रयास किया है।'' उन्होंने शुक्रवार को यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा की विशेष राजनीतिक एवं वि-उपनिवेशीकरण (चौथी समिति) में शांति रक्षा अभियानों पर चर्चा के दौरान ये टिप्पणियां कीं। त्रिवेदी ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर ''भारत का अभिन्न अंग था, है, और हमेशा रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''जम्मू कश्मीर के लोगों ने हाल में अपने लोकतांत्रिक और चुनाव अधिकारों का इस्तेमाल किया तथा एक नयी सरकार चुनी। पाकिस्तान को ऐसी बयानबाजी और झूठ से बाज आना चाहिए क्योंकि इससे तथ्य नहीं बदलेंगे।'' त्रिवेदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के इस मंच के प्रतिष्ठित सदस्यों के सम्मान में भारत संयुक्त राष्ट्र की प्रक्रियाओं का ''दुरुपयोग'' करने के पाकिस्तान के किसी भी प्रयास का जवाब देने से परहेज करेगा। उन्होंने भारत की ओर से यह कड़ी प्रतिक्रिया तब दी है जब पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम पर नजर रखने वाले भारत और पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह (यूएनएमओजीआईपी) के बारे में बात की।

पाकिस्तान में रेलवे स्टेशन पर विस्फोट में 27 लोगों की मौत, 62 घायल

इस्लामाबाद/कराची : पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक रेलवे स्टेशन पर शनिवार को हुए बम विस्फोट में 14 सुरक्षा बलों सहित कम से कम 27 लोग मारे गए और 62 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह विस्फोट प्रांतीय राजधानी क्वेटा के रेलवे स्टेशन पर उस समय हुआ जब यात्री पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस के निर्धारित प्रस्थान से पहले प्लेटफॉर्म पर एकत्र हुए थे। विस्फोट के समय प्लेटफॉर्म पर करीब 100 लोग मौजूद थे। क्वेटा ट्रॉमा सेंटर' के डॉक्टर वसीम बेग ने कहा, अभी तक हमें 27 शव प्राप्त हुए हैं और कम से कम 62 लोग घायल हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। ट्रॉमा सेंटर के प्रबंध निदेशक डॉ. अरबाब कामरान कासी ने चेतावनी दी कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि 20 से 50 वर्ष की आयु वर्ग के कई घायलों की हालत गंभीर है। क्वेटा डिवीजन के आयुक्त हमजा शफकत ने कहा कि यह सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर किया गया आत्मघाती हमला था जिसमें नागरिक भी बुरी तरह प्रभावित हुए। उन्होंने कहा, मृतकों में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लगभग 14 सदस्य शामिल हैं तथा दर्जनों अन्य घायल हैं। 'बलूच लिबरेशन आर्मी' (बीएलए) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

भाजपा भड़काऊ भाषणों के जरिये मूल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटका रही : खरगे

नागपुर : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के नेता भड़काऊ भाषण देकर और झूठ बोलकर मूल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटका रहे हैं। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में संवाददाताओं से मुखातिब खरगे ने कहा कि राज्य को एक अच्छी सरकार की जरूरत है जो इसे फिर से विकास के रास्ते पर ले जाएगी। उन्होंने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) की जीत का भरोसा जताया। एमवीए में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) शामिल हैं। खरगे ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहां 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा दिया है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक हैं तो सेफ हैं' का आह्वान किया है। उन्होंने कहा, पहले आप आपस में तय कर लें कि किसका नारा अपनाना है-योगी जी का या मोदी जी का। भाजपा भड़काऊ भाषण देती है, झूठ बोलती है और लोगों का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि विदर्भ के दो बड़े नेता बड़े निवेश को क्षेत्र से बाहर गुजरात में जाने से नहीं रोक सके, क्योंकि उन्हें अपनी कुर्सी बचाने की चिंता है और उनका लोगों के हितों से कोई लेना-देना नहीं है।

कनाडा ने त्वरित वीजा कार्यक्रम समाप्त किया, सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं भारतीय

ओटावा : कनाडा ने एक बड़ा नीतिगत फैसला करते हुए अपने लोकप्रिय त्वरित अध्ययन वीजा कार्यक्रम-एसडीएस को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है जिसका भारत सहित कई अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर असर पड़ने की आशंका है। वर्ष 2018 में शुरू किए गए 'स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम' (एसडीएस) के तहत आवेदन करने वाले छात्रों को वीजा जारी करने की प्रक्रिया में काफी कम समय लगता था तथा उनके वीजा की स्वीकृति की दर अधिक थी। कनाडा द्वारा शुक्रवार को इस योजना को समाप्त किए जाने के बाद इसमें बदलाव आएगा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सितंबर में 'एक्स' पर लिखा था, ''हम इस साल 35 प्रतिशत कम अंतरराष्ट्रीय छात्र परमिट दे रहे हैं और अगले साल यह संख्या 10 प्रतिशत और कम हो जाएगी।'' उन्होंने कहा था, ''आव्रजन हमारी अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद है - लेकिन जब बुरे लोग प्रणाली का दुरुपयोग करते हैं और छात्रों का फायदा उठाते हैं, तो हम उन पर कार्रवाई करते हैं।'' कनाडा सरकार ने कहा है कि वह अस्थायी निवासियों की संख्या कम करने पर विचार कर रही है। यह कदम भारत और कनाडा के बीच जारी कूटनीतिक विवाद के बीच उठाया गया है।

गुवाहाटी: रेलवे के 'ओवरब्रिज' के लिए पेड़ों की कटाई के खिलाफ लोगों ने मानव श्रृंखला बनाई

गुवाहाटी : असम के सबसे बड़े शहर गुवाहाटी के निवासी शहर के भारलामुख इलाके में रेल पटरी पर 'ओवरब्रिज' के निर्माण के लिए पेड़ों को काटने की कथित योजना के विरोध में शनिवार को सड़कों पर उतर आए। लगभग 100 लोगों, जिनमें ज्यादातर वरिष्ठ नागरिकों सहित क्षेत्र के निवासी थे, ने पेड़ों के साथ एक मानव श्रृंखला बनाई, तख्तियां प्रदर्शित कीं और पेड़ों की कटाई के खिलाफ नारे लगाए। कुर्सी पर बैठकर विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाली एक सत्तर वर्षीय महिला ने कहा, ''ये पेड़ भारलामुख क्षेत्र की पहचान रहे हैं। हमारे बचपन में भरालु नदी का पानी भी साफ था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अगर पेड़ भी कट गए तो इस जगह के इतिहास का कोई निशान नहीं बचेगा।'' इस क्षेत्र में 70 वर्षों से अधिक समय से रह रहे एक वरिष्ठ नागरिक ने उनके सुर में सुर मिलाते हुए कहा, ''हम पुल या विकास के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करने के तरीके हो सकते हैं कि निर्माण के लिए इस क्षेत्र की सुंदरता और हरियाली को नष्ट न किया जाए।''

'आकांक्षा हाट 2024' के आयोजन से स्थानीय उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा: योगी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को आकांक्षा हाट 2024 की शुरुआत की। 'आकांक्षा हाट 2024' उत्तर प्रदेश की आकांक्षा समिति के प्रयासों से आयोजित किया जा रहा है जो प्रदेश के सभी 75 जिलों में सक्रिय है और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तीकरण और स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह आयोजन राज्य में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने और स्वयं सहायता समूहों को अपनी रचनात्मकता तथा उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक बयान के अनुसार योगी ने सभी महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए आकांक्षा समिति का यह प्रयास सराहनीय है। यह आयोजन न केवल महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करेगा बल्कि स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी सहायक होगा।'' आकांक्षा समिति, उत्तर प्रदेश के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की पत्नी संघ का एक विकासशील अंग है, जो राज्य की महिलाओं के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए समर्पित है। राज्य के सभी 75 जिलों में कार्यरत इस समिति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्व-रोजगार और स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक अवसर प्रदान करना है।

नोटबंदी और जीएसटी किसानों तथा श्रमिकों को खत्म करने के हथियार: राहुल गांधी

जमशेदपुर/धनबाद : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि नोटबंदी और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर उसकी नीतियां देश के किसानों, श्रमिकों और गरीबों को खत्म करने के हथियार हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि देश में भाजपा-आरएसएस और 'इंडिया' गठबंधन की विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है, जो क्रमशः नफरत और प्रेम में विश्वास रखते हैं। उन्होंने दावा किया कि यह लड़ाई हिंसा और एकता के बीच है। गांधी ने जमशेदपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''नरेन्द्र मोदी की नीतियां देश में बेरोजगारी फैलाने के लिए जिम्मेदार हैं। नोटबंदी, जीएसटी गरीबों, किसानों और मजदूरों को खत्म करने के हथियार हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा-आरएसएस जाति, धर्म और भाषा के आधार पर देश को बांटने की राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस भारत के संविधान की रक्षा करना चाहती है जबकि भाजपा-आरएसएस इसे नष्ट करने पर तुले हुए हैं।'' कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पूंजीपतियों को धन मुहैया कराने का भी आरोप लगाया और दावा किया कि ये पूंजीपति बदले में विदेशों में पैसा निवेश करते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वे मोदी को हराएंगे और जनता के कल्याण के लिए काम करेंगे। संबोधन के दौरान झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा गांधी को 'अजान' होने की सूचना दी गई जिसके बाद गांधी ने दो मिनट का विराम लिया। गांधी ने शनिवार को धनबाद के बाघमारा में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा कि उसका कर ढांचा ''गरीबों को लूटने'' के लिए बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, ''भारतीय कर ढांचा गरीबों को लूटने के लिए है। अदाणी आपके बराबर कर चुकाते हैं। धारावी की एक लाख करोड़ रुपये की जमीन उन्हें सौंपी जा रही है।'' कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी कटाक्ष किया और आरोप लगाया, प्रधानमंत्री मोदी 'सीप्लेन' (पानी पर उतरने में सक्षम विमान) में यात्रा करते हैं, समुद्र के अंदर जाते हैं लेकिन गरीबों और महिलाओं को महंगाई की मार झेलनी पड़ती है।

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों का नया नारा, इस्कॉन भक्त को पकड़ो और कत्ल करो

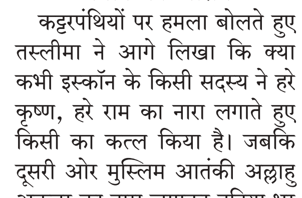

ढाका : बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार की सरकार गिरा कर तख्ता पलट किए जाने के बाद से वहां का मौहाल अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए जानलेवा हो चुका है। वहां पर हिंदुओं पर पहले से अत्याचार हो रहे थे लेकिन अब एक कट्टर इस्लामिक संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम ने खुलेआम हिंसा का समर्थन करते हुए हिंदू धर्मावलंबियों की हत्या का नारा लगाया है।

कहा, इस्कॉन भक्त को पकड़ो और फिर कत्ल करो

भारत में शरण लेकर रह रही बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि चटगांव स्थित कट्टरपंथी संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम ने देश में इस्कॉन पर प्रतिबंध की अपील की है। साथ ही इस्कॉन से जुड़े लोगों की हत्या करने का आह्वान किया है। इस संगठन ने देश के सभी मुस्लिमों से कहा है कि इस्कॉन भक्तों को पकड़ो और फिर कत्ल करो।

तस्लीमा नसरीन ने कट्टरपंथियों पर लगाया गैरमुस्लिमों को भगाने का आरोप

कट्टरपंथियों पर हमला बोलते हुए तस्लीमा ने आगे लिखा कि क्या कभी इस्कॉन के किसी सदस्य ने हरे कृष्ण, हरे राम का नारा लगाते हुए किसी का कत्ल किया है। जबकि दूसरी ओर मुस्लिम आतंकी अल्लाहु अकबर का नारा लगाकर दुनिया भर में लोगों को मार रहे हैं। लेखिका ने कहा कि बांग्लादेश में बड़ी संख्या में जिहादी हैं जो दूसरे धर्म के लोगों को बर्दाश्त नहीं करते हैं। वे गैर-मुसलमानों को मारने या भगाने के लिए हरसंभव प्रयास करते हैं।

इस्कॉन ने की पीएम मोदी से बचाने की अपील

इस्कॉन ने भी भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बांग्लादेश में हिंदुओं को बचाने की अपील की है। इस्कॉन के उपाध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बांग्लादेश में इस्लामी समूह खुलेआम इस्कॉन के भक्तों को पकड़ने, कष्ट देने और फिर मारने की धमकी दे रही है। लोगों से खुलेआम इस्कॉन भक्तों का सिर कलम करने की योजना बनाई जा रही है। इन हिंसक गतिविधियों (खडघउजछ इरपसश्रवशीह -ीींरलज्ञ) पर तुरंत रोक लगाने के लिए सरकार का हस्तक्षेप बहुत जरूरी है।

काला काकर

हमारी अंजानी धरोहर-51

डॉ. एस. के. सैनी

काला कंकर वह अद्भुत स्थल है जहां सिर्फ राज महल ही नहीं बल्कि स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है काला काकर उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में स्थित है।

यह रायबरेली प्रयागराज मार्ग पर गंगा के किनारे स्थित है। यह राजमहल कहीं घटनाओं का साक्षी रहा है यहां के राजा रामपाल सिंह ने हिंदी के समृद्धि के इतिहास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आजादी की लड़ाई के समय महात्मा गांधी 14 नवंबर 1929 को कला कंकर पहुंचे। जमीन पर उन्होंने स्थानीय लोगों को संबोधित किया सभा कीऔर बाद में एक चबूतरे पर विदेशी वस्त्रों की होली जलाई। उस समय वहां के राजा अवधेश सिंह थे।

लोगों को जागृत करने और अंग्रेजों के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम में यही के राजा रामपाल सिंह ने हिंदुस्तान नाम का अखबार निकाला। विदेशी कपड़ों की होली जलाने के बाद महात्मा गांधी ने दूसरे दिन यानी 15 नवंबर 1929 को राजभवन पर भारतीय तिरंगा फहराया था। हर साल वहां पर एक मेला 15 नवंबर को लगता है।

यहां के राजा लाल प्रताप सिंह 19 फरवरी 1858 को चांदा की लड़ाई में अंग्रेजों से टक्कर लेते हुए शहीद हो गए। उनकी स्मृति में डाक टिकट भी भारत सरकार ने जारी किया।

काला कांकर में ही रियासत के एक विशाल आम्र उद्यान मे नक्षत्र नामक आवास एक टीले पर बनाया जहां पर कवि सुमित्रानंदन पंत वहां पर रुके और अपनी काव्य रचनाऐ की। इस तरह से कल कहां कर राजमहल और वहां के राजाओं का स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत यो-गदानरहा है। यह दो मंजिला राजमहल कई सारी ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी रहा है गंगा के किनारे यहां बारादरी में बैठना एक अलौकिक अनुभव है गंगा की ठंडी ठंडी हवा यहां पर आती रहती है.. यह भले एक निजी धरोहर है किंतु स्वतंत्रता के इतिहास में इस राजघराने का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

कब और कैसे होता है तुलसी विवाह? इस दिन रखें पांच बातों का खास ध्यान

त्योहारों के मौसम में कई छोटे-बड़े पर्व मनाए जा रहे हैं। दीपावली और छठ पूजा पूरे देश में धूमधाम से संपन्न हुई। वहीं दीपावली के बाद तुलसी विवाह का पर्व मनाया जाता है। तुलसी विवाह एक महत्वपूर्ण हिंदू पर्व है, जिसमें तुलसी और भगवान शालिग्राम का विवाह संपन्न कराया जाता है। तुलसी विवाह दीपावली के बाद आने वाली पहली एकादशी तिथि को मनाया जाता है। ये पर्व न केवल तुलसी के पौधे के प्रति श्रद्धा को दर्शाता है, बल्कि इसे पर्यावरण और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करने का प्रतीक भी माना जा सकता है।

कब है तुलसी विवाह?

हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को तुलसी विवाह का पर्व मनाया जाता है। इस साल 12 नवंबर 2024 को तुलसी विवाह का त्योहार है। इस दिन देवउठनी एकादशी या प्रबोधिनी एकादशी भी होती है, जो भगवान विष्णु के चार महीने की योग निद्रा से जागने का दिन माना जाता है। इस दिन को अत्यंत शुभ और पवित्र माना जाता है, और इसी दिन तुलसी विवाह का आयोजन किया जाता है।

पौराणिक कथा

तुलसी विवाह की पौराणिक कथा प्रचलित है। देवी तुलसी का जन्म पृथ्वी पर वृंदा के रूप में हुआ था। वृंदा एक असुर राजकुमारी थीं और उन्होंने भगवान विष्णु की तपस्या की थी। वृंदा का विवाह जालंधर नामक असुर से हुआ, जो शक्ति और पतिव्रता धर्म के कारण अजेय था। देवताओं के आग्रह पर भगवान विष्णु ने जालंधर का वध किया और इसके बाद वृंदा ने विष्णु को श्राप दिया कि वे पत्थर (शालिग्राम) में परिवर्तित हो जाएंगे। बाद में भगवान विष्णु ने वृंदा को तुलसी का रूप दे दिया और कहा कि उनका विवाह शालिग्राम के रूप में उनसे ही होगा। तब से तुलसी विवाह की परंपरा का आरंभ हुआ।

तुलसी विवाह कैसे मनाया जाता है?

तैयारी और सजावट

तुलसी विवाह से पहले तुलसी के पौधे को एक सुंदर गमले या बर्तन में सजाया जाता है। पौधे को विवाह के लिए तैयार किया जाता है और दुल्हन की तरह सजाया जाता है। रंग-बिरंगी चुनरी, श्रृंगार की सामग्री, फूलों की माला और कागज के आभूषण तुलसी के पौधे पर सजाए जाते हैं। वहीं भगवान शालिग्राम की मूर्ति को दूल्हे के रूप में सजाया जाता है।

भोग और प्रसाद वितरण

विवाह की रस्में पूरी होने के बाद तुलसी जी को विभिन्न प्रकार के पकवान, मिठाई और विशेष प्रसाद अर्पित किया जाता है। तुलसी विवाह के प्रसाद में विशेष रूप से शुद्ध और सात्विक खाद्य पदार्थ होते हैं। बाद में यह प्रसाद सभी भक्तों में वितरित किया जाता है।

तुलसी विवाह के दौरान रखें इन पांच बातों का ध्यान

- शादी में लाल रंग का जोड़ा बहुत शुभ माना जाता है। तुलसी जी के विवाह में भी लाल रंग के वस्त्र अर्पित करें। लोक मान्यता है कि माता तुलसी सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद देंगी और परिवार में खुशहाली बनी रहेगी।
- तुलसी विवाह में तिल का उपयोग करें। माता तुलसी का पौधा जिस गमले में लगा हो, उसमें शालिग्राम भगवान को रखें और फिर तिल चढ़ाएं।
- तुलसी जी और शालिग्राम महाराज पर दूध में भीगी हल्दी को लगाएं। तुलसी विवाह की पूजा में इसे शुभ माना जाता है।
- तुलसी विवाह के दौरान तुलसी के पौधे की 11 बार परिक्रमा करनी चाहिए। इससे वैवाहिक जीवन में खुशहाली बना रह सकती है।
- तुलसी विवाह में शुद्ध और सात्विक भोग अर्पित करें।

कार्तिक शुक्ल दशमी को श्रीकृष्ण ने किया था कंस का वध

11 नवम्बर 2024 को कंस वध लीला दिवस पर विशेष

अशोक प्रवृद्ध

लंकेश रावण का वध अर्थात रावण दहन का प्रतीक रूप में आयोजन देश भर में आश्विन शुक्ल दशमी अर्थात विजयादशमी को जिस तरह किया जाता है, उसी प्रकार कार्तिक शुक्ल दशमी को मथुरा सहित देश के कई हिस्सों में कंस वध लीलाओं का आयोजन किया जाता है। मान्यता है कि यदुकुल के राजा मथुरा नरेश उग्रसेन और रानी पद्मावती के पुत्र जरासंध कंस का वध कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की दशमी को हुआ था। वह भगवान श्रीकृष्ण की माता देवकी का भाई था। कंस को कई पुराणों में राक्षस बताया गया है, जिसने अपने चमचों और बाणासुर व नरकासुर आदि राक्षसों की सलाह पर सनातन वैदिक इतिहास के विपरीत अपने पिता को अपदस्थ कर स्वयं को मथुरा के राजा के रूप में स्थापित कर लिया था। महाभारत व भागवत पुराण के अनुसार कंस अति दुराचारी बन गया था, और मुगलकाल के इस्लाम शासकों की भांति अपने पिता को राज्यच्युत करके स्वयं सिंहासन पर अधिकार कर लिया था। वह यादवों पर इतना अत्याचार करने लगा था कि वे भयभीत होकर मथुरा से भागकर अन्यत्र बस गए थे। वसुदेव ने भी अपनी अन्य पत्नी रोहिणी तथा पुत्र को नंदग्राम भेज दिया था। और नंद के घर रख दिया था।

महाभारत व पौराणिक ग्रंथों के अनुसार कंस के पिता उग्रसेन यादवों के अधिपति थे। कंस ने अपनी प्रिय बहन देवकी का विवाह वसुदेव से विधिपूर्वक कराया। विवाहोपरांत वसुदेव-देवकी को विदा कराकर ले जाने लगे, उस समय कंस हर्षपूर्वक उस दंपति का सारथी बनकर रथ हांक रहा था। इस समय आकाशवाणी हुई कि देवकी के गर्भ से उत्पन्न अष्टम पुत्र कंस का वध करेगा। उस आशंका का तुरंत अंत करने के लिए कंस देवकी की हत्या करने को उद्यत हो गया। वसुदेव ने कंस को शांत किया और यह वचन दिया कि देवकी के गर्भ से जितने पुत्र उत्पन्न होंगे उसको वह समय पर कंस को अर्पित कर देंगे। इस प्रकार उस समय तो देवकी की प्राण रक्षा हो गई, परंतु कंस ने वसुदेव और देवकी को कारागार में डाल दिया। कंस ने उनकी प्रथम छह संतानों का जन्म लेते ही वध कर दिया। सप्तम संतान गर्भ में ही नष्ट हो गई। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार विष्णु की आज्ञा के अनुसार योग निद्रा ने उस संतान को देवकी के गर्भ से निकाल कर वसुदेव की अन्य पत्नी रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दिया। रोहिणी का यह संतान बलराम नामक पुत्र था। रोहिणी को वसुदेव ने अपने आत्मीय नंद की देख-रेख में मथुरा के पास गोपालकों की बस्ती में रख दिया था। देवकी की अष्टम संतान के रूप में भाद्रपद कृष्ण अष्टमी को यथा समय मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण ने जन्म लिया। रात्रि में ही वसुदेव उनको गोकुल में नंद के घर ले गए। उसी रात्रि को नंद की पत्नी यशोदा ने एक कन्या को जन्म दिया। पुराणों के अनुसार यह कन्या विष्णु की शक्ति योगनिद्रा ही थी। देवकी योगनिद्रा के वशीभूत थी, इसी बीच वसुदेव ने अपने पुत्र को सूतिका गृह में रख दिया और बदले में उस कन्या को लेकर अपने निवास पर आ गए। यह कन्या अपनी संतान बताकर कंस को अर्पित कर दी गई। कंस उस कन्या को नष्ट कर नहीं सका। योगनिद्रा आकाश मार्ग में जाती हुई कह गई कि कंस के संहारकर्त्ता का जन्म हो चुका है। कुछ समय बाद कंस ने देवकी को कारागार से मुक्त कर दिया, लेकिन श्रीकृष्ण नंद के घर ही रह रहे थे। वहाँ कंस ने श्रीकृष्ण को मारने के लिए कई असुरों को भेजा, जिनमें से सभी का कृष्ण द्वारा वध कर दिया गया। पूतना वध, शकट विपर्यय, तृणावर्त वध, यमलार्जुन भंगी आदि घटनाएं इसी काल की हैं। श्रीकृष्ण के शैशव के इस उत्पात के समय नंदादि आपतियों की आशंका से गोकुल छोड़कर वृंदावन चले गए। वृंदावन आने पर श्रीकृष्ण ने वत्सासुर, बकासुर, अधासुर नामक तीन असुरों का वध किया। इसी समय कंस को समाचार मिला कि वृंदावन में श्रीकृष्ण- बलराम अतिशय बलशाली हो गए हैं। पूतना से लेकर अरिष्ट तक कंस के समस्त अनुचर मार दिए गए थे। देवर्षि नारद ने कंस को बताया कि बलराम - श्रीकृष्ण वसुदेव के पुत्र हैं। देवकी की अष्टम संतान मानकर कंस ने जिस कन्या का वध किया था, वह नंद - यशोदा की पुत्री थी। वसुदेव ने संतान बदलकर श्रीकृष्ण को नंद के घर में छिपा रखा है। यह सुनकर कंस भयभीत एवं क्रुद्ध हुआ। और वसुदेव के वध को उद्यत हो गया। उसने बलराम- श्रीकृष्ण को लाने के लिए यादव प्रधान अक्रूर को भेजा। उसने धनुर्यज्ञ का नाम करके उन दोनों का वध करने के लिए बलवान मल्लों को बुलाया लिया था। जैसे ही बलराम-श्रीकृष्ण रंगभूमि में आए, कंस के शिक्षित हाथी कुवलयापीड़ ने आक्रमण किया। अंत में बलराम -श्रीकृष्ण ने उस हाथी को और चानुर तथा मुष्टिक नामक मल्लों को मार डाला। दोनों भाई कूदकर मंच पर चढ़ गए, और कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को अपने अत्याचारों से सभी को कष्ट पहुंचाने वाले कंस को भूमि पर पटककर उसका विनाश कर दिया। फिर वसुदेव- देवकी को मुक्त करके उन्होंने कंस के पिता उग्रसेन का राज्य पर अभिषेक कर दिया। महाभारत सभापर्व के जरासंध पर्वाध्याय में श्रीकृष्ण स्वयं इस घटना का वर्णन युधिष्ठिर से करते हुए कहते हैं- भोजवंशीय वृद्ध क्षत्रियगण ने दुष्ट कंस के अत्याचार से अतिशय दुखित होकर मुझसे अनुरोध किया कि मैं जातिवर्ग को त्याग करके कहीं चला जाऊँ, मैंने जाति वर्ग के हित साधन के निमित बलभद्र की सहायता से कंस का संहार कर दिया। कोई भी कंस की रक्षा के लिए आगे नहीं आया। तभी से कंस वध का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत के तौर पर मनाया जाता है। यह दिन उत्तर प्रदेश और मथुरा में विशेष रूप से मनाया जाता है, और कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

पौराणिक कथाओं में कंस को मथुरा के दुष्ट और अत्याचारी राजा के रूप में मान्यता दी गई थी, जिसका अंत कार्तिक शुक्ल दशमी को श्रीकृष्ण ने पाने हाथों से किया था। कंस अपने पूर्व जन्म में कालनेमी नामक दैत्य था जो भगवान विष्णु के हाथों मारा गया था। मगध के राजा जरासंध की दो पुत्रियों -अस्ति और प्राप्ति से शादी करने वाले कंस के जन्म के विषय में भागवत पुराण और विष्णु पुराण में अंकित कथा के अनुसार मथुरा नरेश उग्रसेन का विवाह राजा सत्यकेतु की कन्या पद्मावती से हुआ था। विवाह के पश्चात ससुराल में कुछ समय रहने के बाद पद्मावती मायके चली गई। एक बार यक्षराज कुबेर का एक संदेशवाहक ध्रुमिला वहां आ पहुंचा और राजा सत्यकेतु से मिलने उनके दरबार में गया। राजा से मिलने के पश्चात उसकी दृष्टि राजा सत्यकेतु की अत्यंत रूपवती पुत्री पद्मावती पर पड़ी। ध्रुमिला बहुत ही पापी गंधर्व था। इसलिए उसने पद्मावती के सामने राजा उग्रसेन का भेष धारण किया और पद्मावती के पास चला गया। उसने ध्रुमिला को उग्रसेन समझकर उसके साथ सहवास किया, जिससे वह गर्भवती हो गई किंतु पद्मावती को सच्चाई का पता चलते ही उसने कामना की उसका पुत्र जन्म से पूर्व ही मृत्यु को प्राप्त हो जाए। उसी समय उग्रसेन भी वहां पहुंच गए और उन्हें मथुरा ले गए। मथुरा पहुंचकर पद्मावती ने एक पुत्र को जन्म दिया। उसका नाम कंस रखा गया जो अपने पूर्वजन्म में कालनेमि नामक असुर था। इस तरह कंस संसार की दृष्टि में भले ही उग्रसेन का पुत्र था लेकिन वास्तव में वह ध्रुमिला का पुत्र था। अपने पिता ध्रुमिला की तरह ही कंस भी पापी था और उसमें अपने पिता के सभी प्रकार के आसुरी गुण भी मौजूद थे।

क्या आपके घर के बड़े-बुजुर्ग भी हैं चिड़चिड़े, हो सकती है ये पांच वजह

परिवार का आशीर्वाद होते हैं बड़े-बुजुर्ग, लेकिन कई बार उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। आपको इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। परिवार में बड़े-बुजुर्गों का होना आशीर्वाद की तरह होता है, मगर कई परिवारों में बड़े-बुजुर्गों का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, जिस वजह से न सिर्फ वे खुद परेशान होते हैं, बल्कि परिवार का माहौल भी खराब होने लगता है। असल में, उम्र के साथ शरीर में कई हार्मोनल बदलाव होते हैं, जो मानसिक स्थिति पर भी असर डालते हैं और अवसाद एवं चिड़चिड़ेपन को जन्म देते हैं। लेकिन आप इसे उम्र का एक पड़ाव समझकर नजरअंदाज न करें, बल्कि इस पर ध्यान देकर उनके स्वभाव में नरमी ला सकती हैं।

बात कर परेशानी समझें

कोई भी कदम उठाने से पहले आप उनसे खुलकर बात करें और जानने की कोशिश करें कि वे किस कारण चिड़चिड़ा महसूस कर रहे हैं। हो सकता है कि वे किसी परेशानी से जूझ रहे हों। इसलिए आप उनकी भावनाओं को समझें। आप उन्हें अपने अनुभवों और चिंताओं को साझा करने का मौका दें, ताकि वे अकेला महसूस न करें और चिड़चिड़ापन उनके स्वभाव में न आए।

समय की कमी

स्वभाव में चिड़चिड़ापन आने की सबसे मुख्य वजह होती है उनकी बातों को न सुना जाना या नजरअंदाज कर देना। परिवार के बड़े-बुजुर्ग इस उम्र में अपनी जिम्मेदारियों से आजाद हो जाते हैं और अपनों के साथ कुछ वक्त बिताने की ख्वाहिश रखते हैं। वे चाहते हैं कि बस आप उनके साथ बैठें, उनके जीवन से जुड़े किस्सों और अनुभवों को जानें, मगर आपका और परिवार के अन्य सदस्यों का अपने कामों में व्यस्त रहना उन्हें परेशान करता है। इसलिए आप उनसे बात करें और नरमी भरे शब्दों में उन्हें अपनी स्थिति समझाएं। यकीनन, वे आपकी बात समझेंगे।

धैर्य से काम लें

जब आपको लगे कि उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो रहा है तो आपके लिए सबसे जरूरी है धैर्य से काम लेना। आपकी पीढ़ी और उनकी पीढ़ी अलग है, लेकिन आप उनकी सलाह को नजरअंदाज न करें, बल्कि उनके विचारों को महत्व दें और भावनाओं का सम्मान करें। आप उन्हें अहसास दिलाएं कि उनका इस घर में होना कितना महत्वपूर्ण है।

संवेदनशीलता और सहानुभूति

उम्र बढ़ने के साथ ही बुजुर्गों में कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याएं देखी जाती हैं, जिनसे जूझते हुए उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। इसलिए उनकी बातों को ध्यान से सुनें, उनके साथ संवेदनशीलता से पेश आएं और सहानुभूति दिखाएं। यह उन्हें खुशी का अहसास कराएगा और उनके स्वभाव को नरम भी बनाएगा।

अपने साथ शामिल करें

आप घर के बुजुर्गों को अपने साथ शामिल करें। उन्हें घरेलू गतिविधियों, बातचीत या उनके मनपसंद कार्यों में शामिल करें। यह उन्हें व्यस्त रखेगा, जिससे उनके स्वभाव में नरमी बनी रहेगी। इसके साथ ही हल्की-फुल्की सैर, योग या प्राणायाम जैसी गतिविधियां उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से अच्छा महसूस कराती हैं और मूड को भी स्थिर रखती हैं।

खुशियों के पल

रिलेशनशिप काउंसलर रुकैया जीरापुर बताती हैं, शारीरिक परेशानियों के अलावा बुजुर्गों पर कई ऐसी जिम्मेदारियां भी होती हैं, जिनको अब वे नहीं निभा सकते। खुद को ऐसे बंधा हुआ पाना उनके स्वभाव को चिड़चिड़ा बना देता है। इससे डील करने का यही तरीका है कि आप उनकी जिम्मेदारियों को समझें, समय का ध्यान रखें और उन्हें बखूबी निभाने का प्रयास करें, ताकि वे खुद को असहाय महसूस न करें।

हार्ट अटैक होने पर मात्र सात रुपये में बच सकती है आपकी जान, अपने पास जरूर रखें ये तीन दवाएं

हृदय रोग दुनियाभर में तेजी से बढ़ती समस्या है। गंभीर स्थितियों में हार्ट अटैक के कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। साल 2021 में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (सी.वी.डी) के कारण 20.5 मिलियन (दो करोड़ से अधिक) मौतें हुईं, जो वैश्विक स्तर पर होने वाली सभी मौतों का लगभग एक तिहाई है। वहीं सीवीडी से होने वाली 85% मौतों के लिए हार्ट अटैक और स्ट्रोक को जिम्मेदार पाया गया।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को हृदय स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है। हाल के वर्षों में 20 से कम उम्र के लोगों में भी हार्ट अटैक से मौत के मामले रिपोर्ट किए गए हैं।

डॉक्टर कहते हैं, अगर किसी को हार्ट अटैक हो जाए तो समय पर लक्षणों की पहचान करके यदि सीपीआर दे दी जाए तो रोगी की जान बच सकती है। हार्ट अटैक की स्थिति में जान बचाने के लिए डॉक्टर ने एक और कारगर तरीके के बारे में जानकारी दी है जिसके बारे में जानना सभी लोगों के लिए जरूरी है।

हार्ट अटैक के बाद बचा सकते हैं रोगी की जान

हार्ट अटैक के बाद रोगी की जान कैसे बचाई जा सकती है, इस बारे में कानपुर हृदय रोग संस्थान के डॉक्टर नीरज कुमार ने बड़ी जानकारी साझा की है। डॉक्टर ने दवाओं की एक ऐसी किट के बारे में बताया है जो हार्ट अटैक के समय में 'संजीवनी' साबित हो सकती है।

डॉक्टर नीरज कहते हैं, किसी को हार्ट अटैक होने पर तुरंत तीन दवाएं दे दी जाएं तो उसकी जान बचने की संभावना काफी बढ़ सकती है। ये दवाएं उसी तरह से काम करती हैं जैसे हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती होने पर दी जाने वाली दवाएं।

क्या कहते हैं डॉक्टर

दवाओं के इस संयोजन को रामकिट नाम दिया गया है। डॉक्टर नीरज कहते हैं, हार्ट अटैक की स्थिति में रोगी को अस्पताल पहुंचाने में कम से कम 30-40 मिनट लग ही जाता है, ये समय काफी महत्वपूर्ण होता है। सभी लोगों को ये किट अपने पास रखनी चाहिए, जिससे इमरजेंसी की स्थिति में तुरंत इसको लिया जा सके, कई मामलों में ये अस्पताल पहुंचते-पहुंचते रोगी के लक्षणों को ठीक भी कर सकती है।

कैसे लेनी होती हैं ये दवाएं?

डॉक्टर बताते हैं, हार्ट अटैक के लक्षण दिखने पर तुरंत दो इकोस्प्रिन (Ecosprin 75), एक रोसुवास्टेटिन (Rosuvastatin 20mg) खा लें। इसके बाद सोब्रिट्रेट (Sorbitrate 5mg) की टेबलेट को जीभ पर रखकर उसे चूसें। इससे मरीज की जान बचाई जा सकती है। इन दवाओं की कीमत 6-7 रुपये होती है। यानी सात रुपये में आप अपनी जान बचा सकते हैं।

कैसे काम करती है ये दवा?

हार्ट अटैक की स्थिति में रक्त के थक्के बनने लगते हैं इकोस्प्रिन ब्लड थिनर के रूप में काम करती है और थक्कों को कम करने में मदद करती है। रोसुवास्टेटिन कोलेस्ट्रॉल कम करने की दवा है ये उस थक्के के प्रसार को रोकती है। वहीं सोब्रिट्रेट को चूसने से ये इंजेक्शन की तरह काम करती है और नसों को खोलने में मदद करती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को अपने पास ये दवा जरूर रखनी चाहिए। हार्ट अटैक जैसी आपात स्थिति में ये बड़े काम की साबित हो सकती है।

रेसिपी कार्नर: खस्ता बेड़मी पूरी

उत्तर भारत का आगरा जिला सिर्फ ताजमहल के लिए ही नहीं, बल्कि अपने मशहूर स्ट्रीट फूड के लिए भी प्रसिद्ध है। आगरा की बेड़ई और आलू की सब्जी की जोड़ी यहाँ की खास पहचान है, जिसे लोग सुबह के नाश्ते में चाव से खाते हैं। बेड़ई एक खास प्रकार की कचौरी होती है, जिसे मटर या उड़द दाल से भरकर कुरकुरी पूरी की तरह तैयार किया जाता है। इसे आलू की मसालेदार सब्जी के साथ परोसा जाता है, जो स्वाद में अद्वितीय होता है। अन्य शहरों में इसे बेड़मी, कचौरी, कचौड़ी, या पूरी के नाम से भी जाना जाता है। अलग-अलग जगहों पर इसे अलग तरीके से बनाया जाता है और दही, चटनी या सब्जी के साथ सर्व किया जाता है। यहाँ हम बाजार जैसी बेड़ई और सब्जी बनाने की आसान विधि को जानेंगे।

बेड़ई के लिए सामग्री

एक कप आटा, एक कप मैदा, आधा कप (भिगोई हुई) उड़द की दाल, बारीक कटी दो हरी मिर्च, कद्दूकस किया हुआ अदरक, हींग, धनिया पाउडर, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर, नमक, सरसों का तेल।

खस्ता बेड़ई बनाने की विधि

स्टेप 1- सबसे पहले 3-4 घंटे भीगी उड़द दाल को छानकर पीस लें।

स्टेप 2- पिसी दाल में हरी मिर्च, अदरक, हींग, धनिया पाउडर, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाएं।

स्टेप 3- अब गेहूं का आटा और मैदा मिलाकर उसमें थोड़ा नमक, एक चम्मच तेल डालकर गूंद लें। आटे को करीब 15-20 मिनट ढककर रख दें।

स्टेप 4- अब आटे की छोटी-छोटी लोइयां बनाकर इस में उड़द की दाल का मिश्रण भरें और बॉल बनाएं

स्टेप 5- अब इस बॉल को दबाते हुए हल्के हाथों से बेलें।

स्टेप 6- कढ़ाई में तेल गरम करें और बेड़ई को मध्यम आंच पर सुनहरा और खस्ता होने तक तलें।

मसालेदार आलू की सब्जी की रेसिपी

सामग्री

चार आलू (उबले और छोटे टुकड़ों में कटे हुए), बारीक कटे दो टमाटर, एक बारीक कटी हरी मिर्च, आधा अदरक, हींग, जीरा, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, नमक, हरा धनिया, और तेल।

बनाने की विधि

स्टेप 1- एक पैन में तेल गर्म करके उसमें जीरा और हींग का तड़का लगाएं।

स्टेप 2- हरी मिर्च, अदरक और कटे हुए टमाटर डालकर अच्छे से पकाएं।

स्टेप 3- उबले हुए आलू के टुकड़े डालकर अच्छी तरह से 5 से 10 मिनट पकाएं।

स्टेप 4- पकने के बाद हरा धनिया डालकर सजाएं और गरम मसाला मिलाएं।